

Daily सच के हक में...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



Rasha Thadani Visits Jaipur...

Ranchi ● Sunday, 15 December 2024 ● Year: 02 ● Issue: 322 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

7,320 चांदी 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS लालकृष्ण आडवाणी अपोलो में भर्ती, हालत स्थिर

NEW DELHI : बीजेपी के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टरों की देखरेख में उनकी हालत स्थिर है। तबीयत बिगड़ने के बाद शुक्रवार रात को उनको अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीय) में भर्ती कराया गया। अपोलो अस्पताल ने शनिवार को बताया कि 97 वर्षीय आडवाणी को जांच के लिए आईसी में भर्ती कराया गया है। वे न्यूरोलॉर्जी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं और उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष यह चौथी बार है, जब आडवाणी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली के स्कूलों को फिर बम से उड़ाने की धमकी

NEW DELHI: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 30 से अधिक स्कूलों को बम की धमकी मिलने के एक दिन बाद शनिवार को फिर दिल्ली के कई स्कूलों को उसी तरह की धमकी भरे ईमेल मिले। दिल्ली पुलिस ने बताया इस सप्ताह में यह तीसरी कॉल है। फिर से डीपीएस आरके पुरम, रेयान इंटरनेशनल स्कूल, वसंत कुंज सहित छह स्कूलों को बम की धमकी वाला ईमेल मिला। पुलिस के अनुसार आज सुबह 6:12 बजे स्कूलों को एक समूह मेल मिला। पुलिस ने कहा, आज सुबह 6:12 बजे स्कूल को बैरी अल्लाह के नाम से एक समूह मेल मिला। बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद स्कूलों ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और दमकल अधिकारी मौके पर पहुंचे। लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। नौ दिसंबर को दिल्ली के 40 से अधिक स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी. जिसमें 30,000 अमेरिकी डॉलर की फिरौती मांगी गई थी। यह ईमेल आठ दिसंबर को रात करीब ११:38 बजे आया था। वहीं शुक्रवार को 30मेल वाले में पुलिस ने एक नाबालिग लड़को पकड़ा था। पुलिस ने बच्चे के माता को समझा बुझाकर बच्चे

किसान अब कल ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे

को छोड़ दिया।

NEW DELHI : शनिवार को दोपहर 12 बजे हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से 101 किसान दिल्ली के लिए खाना हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें घग्गर नदी पर बने पुल पर की बैरिकेडिंग पर रोक लिया। 40 मिनट तक पुलिस से बहस के बाद किसानों ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। जिसमें 10 किसान घायल हुए। करीब 2 घंटे बाद यानी 2 बजे किसानों के जत्थे को वापस बुला लिया गया। किसानों का आरोप है कि पुलिस ने रॉकेट लॉन्चर से बम-गोलियां चलाई। घग्गर नदी का गंदा और केमिकल वाला पानी प्रयोग किया। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब को छोड़कर पूरे देश में टैक्टर मार्च निकाले जाएँगे। 18 दिसंबर को पंजाब में 12 बजे से 3 बजे तक रेल रोको अभियान चलाया जाएगा। १८ तक कोई जत्था दिल्ली कूच नहीं करेगा।

हमने धारा 370 को जमीन में गाड़ दिया, एकता में थी रुकावट : पीएम

संविधान के 75 साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में संविधान पर चर्चा में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सबके लिए और सभी देशवासियों के लिए इतना ही नहीं, विश्व के लोकतांत्रिक देशों के नागरिकों के लिए ये गौरव का पर्व है। बड़े गर्व के साथ लोकतंत्र के उत्सव को मनाने का ये अवसर है। मोदी बोले- 75 साल की ये उपलब्धि साधारण नहीं. असाधारण है। जब देश आजाद हुआ, उस समय भारत के लिए जो-जो संभावनाएं व्यक्त की गई थीं, उन सभी संभावनाओं को परास्त करते हुए संविधान हमें यहां तक ले आया है। इस महान उपलब्धि के लिए संविधान

निमार्ताओं के साथ-साथ मैं देश के कोटि-

कोटि नागरिकों को नमन करता हूं। पीएम

ने कहा कि अगर आप हमारी नीतियों को

देखेंगे, पिछले 10 साल देश की जनता ने

जो हमें सेवा करने का मौका दिया है।

संविधान चर्चा में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दिया अपना वक्तव्य कहा- पुरे संसार में मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में जाना जाता है भारत

निर्माताओं के साथ देश की जनता को भी किया नमन

• कुछ लोग ऐसे

बीज ढूंढ़ते हैं

भूमिका अहम

जिससे देश को नुकसान पहुंचे संविधान निर्माण में नारी शक्ति की

पीएम ने कहा कि संविधान निर्माण में नारी शक्ति ने संविधान को सशक्त करने की भूमिका निभाई है। मौलिक चिंतन के आधार पर उन्होंने संविधान सभा की डिबेट को समृद्ध किया था। वे अलग–अलग बैकग्राउंड की थीं। उनके सुझावों का संविधान निर्माण में बहुत प्रभाव रहा था। दुनिया के कई देश आजाद हुए, संविधान बना, महिलाओं को अधिकार देने में दशकों बीत गए। हमारे यहां शुरूआत से ही महिलाओं को वोट का अधिकार दिया गया।

लगातार बढ रही महिला सांसदों की संख्या

पीएम ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि हर बड़ी योजना के केंद्र में महिलाएं होती हैं। भारत के राष्ट्रपति के पद पर एक आदिवासी महिला है, ये संयोग है। ये संविधान की भावना की अभिव्यक्ति है। इस सदन में लगातार हमारी महिला सांसदों की संख्या बढ़ रही है। आज समाज, राजनीति, शिक्षा, खेलकूद जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं का योगदान देश के लिए गौरव दिलाने वाला रहा। स्पेस टेक्नोलॉजी में उनके योगदान की सराहना हर हिंदुस्तानी गर्व से कर रहा है।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर जमकर किया हमला बोले- मोदी ने युवाओं-किसानों के काटे अगूटे, अडानी-अंबानी को पहुंचा मुनाफा

जेएसएससी सचिव बोले

सीजीएल परीक्षा में नहीं हुई

गड़बड़ी, आरोप बेबुनियाद

भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान शनिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला करते हुए कहा, जब आपने अग्निवीर को लागू किया, तो आपने युवाओं के अंगूठे काट दिए। जब परीक्षा के पेपर हुए, आपने भारत के युवाओं के अंगूठे काट दिए। आपने दिल्ली के बाहर किंसानों पर आंसू गैस के गोले दागे, आपने किसानों पर लाटीचार्ज किया। किसान आपसे एमएसपी की मांग करते हैं। वे उचित मूल्य की मांग करते हैं, लेकिन आप अंडानी, अंबानी को मुनाफा देते हैं और

किसानों का अंगूठा काट देते हैं।



दिखाकर कहा, यह अभयमुद्रा है। आत्मविश्वास, शक्ति और निडरता कौशल के माध्यम से, अंगूढे के माध्यम से आते हैं। ये लोग इसके खिलाफ हैं।

अपने विधानसभा क्षेत्र बरहेट के भोगनाडीह पहुंचे हेमंत सोरेन

झारखंड पर लगे पिछड़ेपन के कलंक को मिटाकर रहेंगे: CM

50 लाख महिलाओं के खाते में जा चुकी है मंईयां सम्मान की राशि

PHOTON NEWS SAHIBGANJ:

शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन साहेबगंज के बरहेट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वीर शहीद सिदो-कान्हू की जन्मस्थली भोगनाडीह पहुंचे। वहां सिदो-कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन और परिसंपत्तियों का वितरण किया। मौके पर सीएम हेमंत ने कहा कि हमें इस सोना रूपी राज्य को सोने की तरह बनाना है और पिछडेपन के लगे कलंक को मिटाना है। राज्य की जनता ने जिस प्रकार से हमें जिम्मेदारी सौंपी है, वह उस पर खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने लोगों से वादा किया कि वह जनता के विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे। हेमंत ने कहा कि आज जहां देश में महंगाई आसमान छू रही है, दिन-ब-दिन हमारे आय की बढोत्तरी नहीं हो पा रही। ऐसे में महिलाएं नया रोजगार महंगाई से राहत मिल पाए। इसे 1000-1000 रुपये डालने का भी हमने लगातार विकास कार्यों शुरू कर पाए और उन्हें इस लेकर हमने महिलाओं के खातों में काम किया। चुनाव प्रचार के दौरान को जारी रखने के लिए आपसे

सिदो-कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद 224 योजनाओं का किया उद्धाटन-शिलान्यास

होने के बाद पहली बार किसी राज्य की महिलाओं को इतनी

बड़ी राशि दी जा रही है, जबिक झारखंड देश का सबसे गरीब

राज्य है। यहां सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। यह राज्य पलायन

जगमगाता है। लेकिन, हमारे आदिवासी–मूलवासी के जीवन

का दंश भी झेल रहा है। हमारे खनिज संपदा से देश

स्तर में कोई अंतर नहीं देखने को मिलता है।

• परिसंपत्तियों का भी वितरण, लोगों का विश्वास टूटने नहीं देने का किया वादा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि हमारी सरकार आधी

आबादी को लगातार आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही

को उनके खाते में राशि भेजी जा चुकी है। उन्होंने राज्य की

है। मईयां सम्मान योजना के तहत अब तक 50 लाख महिलाओं

जनता का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वह उनके विश्वास

को कभी टूटने नहीं देंगे। सीएम ने आगे कहा कि देश आजाद

• फिर से सत्ता सौंपने के लिए राज्य की जनता के प्रति जताया आभार

• जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी पर खरा उतरने का दोहराया संकल्प

हम मिलकर कर सकते हैं राज्य का सर्वागीण विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन और अन्य आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष के बाद हमें झारखंड राज्य मिला। इसलिए चुनौती बहुत बड़ी है। यह राज्य हमलोग ले सकते हैं। यहां हम सरकार बना सकते हैं, तो हम इस राज्य का सर्वांगीण विकास भी कर सकते हैं। आपलोगों ने जो आशीर्वाद हमें दिया है, जो विश्वास हम पर जताया है। उसे हम टूटने नहीं देंगे। बस आपसे एक अपील है कि आप सरकार के साथ खड़े रहे और सरकार की योजनाओं पर भरोसा दिखाएं। सीएम हेमंत सोरेन साहिबगंज और पाकुड़ के लाभार्थियों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने साहिबगंज के 247.44 करोड़ रुपए की लागत से 224 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

सरकार को दोबारा मौका देने का

कल 'एक देश, एक चुनाव'

बिल लाएगी मोदी सरकार

NEW DELHI : केंद्र की मोदी

सरकार सोमवार को लोकसभा में

'एक देश, एक चुनाव' को से जुड़े

दो बिल पेश करेगी। इसे सदन की

कार्रवाही के लिए लिस्ट किया गया

है। इसके लिए 12 दिसंबर को

कंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी भी मिल

चुकी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन

राम मेघवाल एक देश, एक चुनाव

के लिए 129वां संविधान संशोधन

बिल पेश करेंगे। लोकसभा और

विधानसभाओं के कार्यकाल एक

कमेटी ने संविधान के अनुच्छेद

की थी। सरकार बिल पर आम

(जेपीसी) को भेजे जाने की संभावना है। इसके अलावा केंद्र

टेरिटरीज एक्ट- 1963, द

द जम्मू एंड कश्मीर

गवर्नमेंट आफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी आफ दिल्ली- 1991 और

रिआर्गनाइजेशन एक्ट- 2019

शामिल हैं। इस दौरान जम्मू-

के लिए भी संशोधन किया जा

विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति

कश्मीर को पूर्ण राज्य का दुर्जा देने

सकता है। एक देश, एक चुनाव पर

रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2

सितंबर, 2023 को एक कमेटी

बनाई गई थी। कमेटी ने करीब

191 दिनों में स्टेकहोल्डर्स और

एक्सपटर्स से चर्चा के बाद 14

मार्च, २०२४ को अपनी रिपोर्ट

सभी राज्य विधानसभाओं का

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी।

कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव

यानी २०२९ तक बढ़ाया जाएँ। हंग

असेंबली (किसी को बहुमत नहीं),

नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर

बाकी के कार्यकाल के लिए नए

सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं।

सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा

बिल को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी

शासित प्रदेशों से जुड़े तीन कानूनों

में भी संशोधन किया जाएगा। इनमें द गवर्नमेंट आफ यूनियन

साथ समाप्त हों, इसके लिए कीविंद

82(3) में संशोधन की सिफारिश

के लिए लोकसभा में दो

आग्रह किया।

जान से मारने की धमकी भी दी गई है। धमकी ई-मेल के जरिये दी गई है। सधीर कमार गप्ता ने आगे बताया कि गडबडी की बात कहते हुए प्रदर्शन करने वालों ने जो सीडी उपलब्ध करायी था. पाया शिकायतताओं द्वारा जो आरोप लगाये गए थे, उसे शपथ पत्र के जरिये देने के लिए कहा गया,

PHOTON NEWS RANCHI:

शनिवार को झारखंड स्टाफ

(जेएसएससी) के सचिव सुधीर

कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर

कहा है कि सीजीएल परीक्षा में

किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं

हुई है। हर तरह की जांच के बाद

वह यह कहने की स्थिति में हैं

कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि हाल में

जेएसएससी के पदाधिकारियों को

कमीशन

सेलेक्शन

प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति को पुलिस ने किया अरेस्ट

लेकिन नहीं दिया गया। उन्होंने

आगे कहा कि शिकायत में जो

खिलाफ प्रदर्शन के मामले में बोकारो से एक व्यक्ति के गिरफ्तार होने की बात कही जा रही है। उसे रांची के नामकुम थाना में रखा गया है। हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर पिछले साल नामकुम में छात्रों ने प्रदर्शन किया था। उस प्रदर्शन में शामिल एक व्यक्ति को पुलिस पुलिस द्वारा पकड़े जाने की बात कहीं जा रही है। सदाबहार चौक नामकुम रांची के पास स्थित झारखंड कर्मचारी आयोग कार्यालय का घेराव 15 दिसंबर को किए जाने की

चुके हैं आदेश आरोप लगाए गए थे, उनकी जांच में यह पाया गया कि जिस सीट का जिक्र किया गया है, वहां छात्र परीक्षा में शामिल ही नहीं हुआ। प्रश्नपत्र वायरल होने के जो पत्र उपलब्ध कराए गए, वह शाम के पांच बजे के बाद की ली

🗕 प्रदर्शन करने वालों ने

थी, पाई गई ब्लैंक

💻 जेएसएससी के

दी गई धमकी

जो सीडी उपलब्ध कराई

पदाधिकारियों को ई-मेल

कर जान से मारने की

💻 सीएम हेमंत सोरेन इस

मामले की सीआईडी से

भी जांच कराने का दे

आज आयोग के कार्यालय

गई तस्वीर है।

रविवार 15 दिसंबर को राजधानी में 5 हजार अभ्यर्थी जुटने वाले हैं। परीक्षार्थी रिजल्ट रद्द करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने संयुक्त स्नातक (सीजीएल) परीक्षा ऑयोजित की थी। गत 4 दिसंबर को जेएसएससी ने रिजल्ट भी जारी कर दी है। परीक्षा और रिजल्ट में गड़बड़ियों को लेकर जो आरोप लग रहे हैं, उसमें सबसे पहला आरोप यह है कि पहले दिन जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा दिया उनमें से बहुत कम सफल हुए हैं, जबिक जिन अभ्यर्थियों ने दूसरे दिन को परीक्षा दिया, उनमें से अधिकांश

का घेराव करेंगे अभ्यर्थी

को सफल घोषित किया गया।

जेएसएससी-सीजीएल एग्जाम के

संभावना है।

जांच एजेंसी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दी जानकारी

ईडी ने जेएसडब्ल्यू को 4025 करोड रुपये की लौटाई संपत्ति

जेएसडब्ल्यू को 4025 करोड़ रुपये की संपत्ति लौटा दी है, जो दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत पूर्ववर्ती भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड की संपत्तियों के लिए एक सफल समाधान आवेदक थी। ईडी ने यह जानकारी शनिवार की सुबह सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर दी है। एजेंसी के पोस्ट के अनुसार, ईडी ने धन शोधन निवारण

अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 5

के तहत इन संपत्तियों को अस्थायी रूप

से अटैच किया था, क्योंकि पूर्ववर्ती

प्रमोटरों ने बैंकों को धोखा देकर निजी

निवेश के लिए बैंक के धन का

दुरुपयोग किया था। 11 दिसंबर को

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने

• सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद वापस की गई संपत्ति

बरकरार

 ईडी और न्यायालयों के बीच कानूनी जटिलताएं अब भी

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद संपत्ति लौटा दी गई। यह बहाली पीएमएलए

की धारा 8(8) के तहत नियम 3ए के साथ जोड़ी गयी, जो यह निर्धारित करता है कि मुकदमा लंबित रहने तक संपत्ति को बहाल किया जा सकता है।

दातू में जाम में फंसी गाड़ी को दूसरे वाहन ने मार दी टक्कर, तीन जख्मी एक ही परिवार के 4 सहित 5 लोगों की गई जान

PHOTON NEWS BOKARO: जिले के कसमार थाना क्षेत्र के दातू में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस घटना में पांच लोगों की दुर्दनाक मौत हो गई। तीन लोग घायल हैं। सभी घायलों को बोकारो के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरीडीह में भर्ती करवाया गया है। मृतकों की पहचान सुंदरलाल सिंह (35), उनकी पत्नी धूपिया देवी (30), पुत्र कृष्ण कुमार (10) और पुत्री गुंजन कुमारी (उम्र 7) के अलावा उसी गांव के सुजीत मुंडा (30) के रूप में हुई है। जॉनकारी के अनुसार रामगढ़-बोकारो नेशनल हाईवें पर शुक्रवार की देर रात बोकारो थाना क्षेत्र के दातू गांव के पास एक भीषण सड़क हादसाँ हुआ था, जिसमें ट्रैक्टर चालक

के सहयोगी की मौत हो गई थी।



स्थानीय लोगों ने सडक को किया जाम

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया और इसी जाम में ट्रेलर भी फंसा हुआ था। इसी दौरान पेटरवार की ओर से रामगढ जा रहे एक बोलेरो ने पीछे

से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोग की मौत हो गई। सभी बोलेरो से बोकारो के चंद्रपरा के फलवारी गांव से मुंडन में शामिल होकर लौट रहे थे।

रेफर, एक गाड़ी में 8 लोग थे सवार घटना के बारे में बोकारो के गंभीर बनी हुई है। उसे बेहतर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरींडीह की चिकित्सा

गंभीर रूप से घायल को किया गया

अधिकारी डॉ. स्वीटी भगत ने बताया कि एक गाडी में लगभग आढ लोग सवार थे। यहां पांच लोगों को मृत अवस्था में लाया गया। तीन लोगों घायल अवस्था में थे, जिसमें एक बच्ची और महिला है और दोनों की हालत फिलहाल ठीक है। इसमें से एक की हालत

इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। यह घटना दातू के आसपास की है। चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अस्पताल की ओर से जिला प्रशासन को कॉल किया गया। इसके बाद पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। पुलिस ने डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पृथ्वी के बड़े हिस्से में लगातार बन रही प्रतिकूल रिथति

जीवों के लिए 'काल' बनता जा रहा धरती का हाल

AGENCY NEW DELHI: भारतीय संस्कृति में धरती को हम माता कहते हैं।

गंभीर खतरा

माता इसलिए कि उसके द्वारा सभी जीवों का समान भाव से लालन-पालन होता है। यदि इस धरती के प्राकृतिक स्वभाव और इसकी स्थिति में जलवायु में ही रहे परिवर्तन के कारण क्षरण होता है, तो अंततः इस पर रहने वाले जीवों का जीवन ही संकट में पडता है। जीवों को जीने के लिए धरती पर जैसा वातावरण चाहिए, अगर वह प्रतिकूल होता है, तो यह भविष्य में मनुष्य सहित सभी जीवों के अस्तित्व के लिए संकट की ओर संकेत करता है। गुजरे चंद दशकों में धरती के बड़े हिस्से में जलवायु परिवर्तन के कारण चिंताजनक रिथिति पैदा हों गई है। हाल में किए गए विशेष अध्ययन से यह जानकारी मिल रही है कि धरती के 77 फीसद से ज्यादा हिस्सों की जलवायु बीते तीन दशकों में अधिक शुष्क हो गई है। इस दौरान दुनिया में शुष्क क्षेत्रों में भी बढ़ोतरी हुई है। धरती का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा सूखी जमीन में तब्दील हो चुका है। यूएनसीसीडी में जारी रिपोर्ट में गंभीर हालांत की हकीकत बताई गई है।

मनुष्य सहित सभी प्राणियों के अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के बादल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर लगाम लगाना ही समस्या का एकमात्र निदान सूखी जमी<u>न में</u>

तब्दील हो चुका धरती का 40% से अधिक हिस्सा जारी की गई रिपोट बता रही गंभीर हालात की हकीकत दुनिया के विभिन्न देशों में शुष्क क्षेत्रों की बढ़ोतरी पर नियंत्रण की पहल

ਗਣਾરੀ



43 लाख वर्ग किमी हुआ शुष्क क्षेत्रों का विस्तार

रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में शुष्क क्षेत्रों का विस्तार लगभग 43 लाख वर्ग किमी बढ़ा है। यह क्षेत्र भारत के आकार से लगभग एक-तिहाई बड़ा है। अगर आने वाले वक्त में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर लगाम नहीं लगी तो दुनिया के तीन प्रतिशत नमी वाले इलाके इस सदी के खत्म होते-होते शुष्क भूमि में तब्दील हो जाएंगे।

सूखे से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में यूरोप के 96 प्रतिशत, पश्चिमी अमेरिका, ब्राजील, एशिया और मध्य अफ्रीका के हिस्से शामिल हैं। दक्षिण सुडान और तंजानिया में भिम का सबसे बड़ा हिस्सा शुष्क क्षेत्रें में बदल चुका है, जबिक चीन में सबसे बड़आ भूमि क्षेत्र शुष्क हो चुका है। शुष्क क्षेत्रों में रहने वाले लगभँग आधे लोग एशिया और अफ्रीका में रहते हैं। सबसे अधिक जनसंख्या वाले शृष्क क्षेत्रों में कैलिफोर्निया, मिस्र, भारत और पाकिस्तान के कुछ हिस्से और उत्तर-पूर्वी चीन शामिल हैं। लगभग 30 वर्षी में शृष्क क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आबादी दोगूनी होकर 2.3 अरब हो चुकी है। सबसे खराब जलवायु परिवर्तन के हालात में यह संख्या २१०० तक पांच अरब तक पहुंच सकती है। इन लोगों को जलवायु परिवर्तन के कारण शुष्कता और मरुस्थलीकरण में बढ़ोतरी की वजह से अपने जीवन और आजीविका के लिए गंभीर खतरे झेलने पडेंगे।

यूरोप का ९६% भू-भाग सुखे से प्रभावित

THE PROTON ALMS

www.thephotonnews.com

Sunday, 15 December 2024



कुफरी की यात्रा और पहली बर्फबारी! अविस्मरणीय अनुभव

हाड और पहाड की बर्फब़ारी 🚄 भला किसे नहीं अच्छी लगती शुमक्कड की पाती है। दिल्ली से कफरी की यात्रा और वहाँ पहली बार बर्फब़ारी का मेरा अनुभव बहुत ही अविस्मरणीय रहा। इस यात्रा के दौरान हम प्रकृति के सौंदर्य को बहुत ही करीब से निहारने के साथ एक नई संस्कृति और जीवनशैली को करीब से भी जान पाए। वह दिसंबर का महीना था। दिल्ली की ठंड ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए थे। मेरी हमेशा से यह इच्छा थी कि बर्फब़ारी का अनुभव करूँ और इसी इच्छा ने मुझे कुफरी जाने के लिए प्रेरित किया। मैंने अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर यात्रा की योजना

हमने दिल्ली से कुफरी तक का सफर कार द्वारा करने का निश्चय किया। यह सफर लगभग 350 किलोमीटर का बहुत ही रोमांच से भरा हुआ था, जिसे पूरा करने में लगभग 8 घंटे लगे थे। हमने सुबह 5 बजे अपनी यात्रा शरू की। दिल्ली की सड़कों पर ठंड की हल्की धुंध और शांत वातावरण हमारी यात्रा की शरूआत को रोमांचक बना रहे थे। हमने यात्रा के दौरान करनाल के एक प्रसिद्ध ढाबे पर नाश्ता किया, जिसमें गरमागरम पराठे और मक्खन का स्वाद अब तक याद है। हम दिल्ली से बाहर हिमाचल प्रदेश की ओर जैसे-जैसे बढ़े रास्ते के नजारे बदलते गए। सड़क के दोनों ओर ऊँचे-ऊँचे देवदार के पेड़ और ठंडी हवा ने हमारी यात्रा को और भी सुहावना बना दिया।

रास्ते में चंडीगढ़, सोलन और शिमला भी आया। सोलन की शांति और शिमला के सौंदर्य ने हमें अपनी ओर आकर्षित किया। चंडीगढ़ और सोलन हिमाचल प्रदेश और पंजाब की सीमा पर स्थित दो सुंदर और आकर्षक स्थान हैं, जो अपनी विशिष्टता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं।

चंडीगढ़ भारत का पहला नियोजित

हमने दिल्ली से कुफरी तक का सफर कार द्वारा करने का निश्चय किया। यह सफर लगभग 350 किलोमीटर का बहुत ही रोमांच से भरा हुआ था, जिसे पूरा करने में लगभग 8 घंटे लगे थे। हमने सुबह 5 बजे अपनी यात्रा शुरू की। दिल्ली की सड़कों पर ठंड की हल्की धुंध और शांत वातावरण हमारी यात्रा की शुरूआत को रोमांचक बना रहे थे। हमने यात्रा के दौरान करनाल के एक प्रसिद्ध ढाबे पर नाश्ता किया, जिसमें गरमागरम पराठे और मक्खन का स्वाद अब तक याद है। हम दिल्ली से बाहर हिमाचल प्रदेश की ओर जैसे-जैसे बढ़े रास्ते के नजारे बदलते गए। सड़क के दोनों ओर ऊँचे-ऊँचे देवदार के पेड़ और ठंडी हवा ने हमारी यात्रा को और भी सुहावना बना दिया।



शहर है, जो दुनिया भर में अपनी आधुनिक वास्तुकला और सुव्यवस्थित ढांचे के लिए जाना जाता है। इस शहर को प्रसिद्ध वास्तुकार ली कॉर्बुज़िए ने डिजाइन किया था। यह शहर अपने हरे-भरे बगीचों, जैसे कि रॉक गार्डन और रोज गार्डन और सुखना झील के लिए

मशहूर है। चंडीगढ़ का शांत वातावरण और स्वच्छता इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। इसके अलावा, शहर का ओपन हैंड मॉन्यूमेंट और सेक्टर 17 का बाजार भी पर्यटकों को आकर्षित

नई दिल्ली

सोलन को हम लोग मशरूम सिटी शिव मंदिर दर्शनीय स्थल हैं। सोलन का

कुफरी के आसपास के कई दर्शनीय स्थल भी हमने अपनी यात्रा में शामिल किए। मशोबरा की शांत वादियाँ, घने देवदार के जंगल और शांतिपूर्ण वातावरण हमें बेहद भाया। नारकंडा में हाटू पीक की यात्रा अद्भुत थी। हिमाचल प्रदेश के इस चोटी से हिमालय का मनोरम दृश्य देखने का अनुभव

ऑफ इंडिया के नाम से जानते हैं। यह हिमाचल प्रदेश के निचले हिमालय में बसा एक छोटा, लेकिन सुरम्य शहर है। यह जगह अपने सेब के बागानों, मठों और ऐतिहासिक मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। शूलिनी माता मंदिर और जाटोली

शांत वातावरण और ठंडी हवाएँ इसे चंडीगढ़ से सप्ताहांत पर घूमने के लिए आदर्श बनाती हैं। कसौली और चायल जैसे स्थान भी सोलन को और खास

जीवनभर याद रहेगा। हाट् पीक पर

पहुँचने के लिए ट्रेकिंग करना थकान भरा

था। लेकिन जब हम वहाँ पहुँचे तो बर्फ.

से ढंके पहाड़ों और हरे-भर्रे जंगलों ने

हमारी सारी थकान मिटा दी। वहाँ का

हाटू माता मंदिर, जो पारंपरिक पहाड़ी

शैली में बना है, हमें आध्यात्मिक शांति

का अनुभव कराता है।

'देहाती कहीं के'

चंडीगढ़ और सोलन दोनों ही अपने-अपने अंदाज में अद्भृत अनुभव

कफरी में ठंड ने किया स्वागत

कुफरी पहुँचते ही ठंड ने हमारा स्वागत किया। यह छोटा-सा हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांति के लिए प्रसिद्ध है। हमने क्लब महिंद्रा होटल में ठहरने का निर्णय लिया, जो अपनी शानदार सेवा और सुविधाओं के लिए जाना जाता है। हमारे होटल की बालकनी से पहाड़ों का दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। अगली सुबह जब बाहर का नजारा देखा, तो मन खुशी से झूम उठा। आसमान में बादल छाए हुए थे और धीरे-धीरे बर्फ.के हल्के-हल्के फाहे गिरने लगे। यह मेरे जीवन की पहली बर्फब़ारी थी। बर्फ के गिरते फाहों को पकड़ने और उनके नीचे खड़े होकर ठंड का आनंद लेने का अनुभव इतना अनोखा

था की मेरी समृतियों में समा गया। हमने बर्फ. से ढंकी सड़कों पर टहलने का आनंद लिया और बर्फ. के गोलों से खेला। वहाँ के स्थानीय लोग और पर्यटक, सभी इस अद्भुत दृश्य का आनंद ले रहे थे। बच्चों की खिलखिलाहट, युवाओं का उत्साह और बर्फबारी का नजारा, सबकुछ मिलकर एक खूबसूरत तस्वीर बना रहे थे। कुफरी में घुड़सवारी का भी एक अलग ही आनंद है। हमने बर्फ. से ढकी पगडंडियों पर घुडसवारी की और वहाँ के सुंदर दृश्यों को कैमरे में कैद किया। इसके अलावा, स्नो ट्यूबिंग और स्कीइंग जैसे एडवेंचर एक्टिवटी ने हमारी यात्रा को और रोमांचक बना दिया।

सबसे खूबसूरत यात्राओं में से एक

फागु की यात्रा भी खास रही। सेब के बागानों और हरियाली से घिरे इस छोटे-से गाँव की सादगी और शांति ने हमें बेहद प्रभावित किया। हमने वहाँ ताजे सेबों का स्वाद लिया और स्थानीय किसानों से उनकी खेती के बारे में जानकारी ली। तीन दिन की इस यात्रा ने न केवल हमारी थकान को मिटाया, बल्कि हमें नई ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। दिल्ली लौटते

समय रास्ते में पहाड़ों को अलविदा कहते महसूस करना चाहता है। प्रदान करते हैं और प्रकृति और आधुनिकता का एक सुंदर मेल प्रस्तुत

फिर हम पहुंचे शिमला, जिसकी हरी-भरी वादियाँ और ठंडी हवा ने मन को बेहद प्रसन्न कर दिया। शिमला में हम इंडियन कॉफी हाउस में जाकर चाय और काफी का आनंद लिया। इस जगह से कुफरी का सफर करीब 20 किलोमीटर का था। सपीर्ले रास्ते, ऊँचाई पर बढ़ती ठंड और बर्फ.से ढके पहाड़ों

करते हैं।

की झलक ने हमें रोमांचित कर दिया।

हुए हमने इस यात्रा की सुखद यादों को

अपने दिल में बसा लिया। कुफरी की यह

बर्फबारी का अनुभव, प्राकृतिक सौंदर्य और

यात्रा मेरे जीवन की सबसे खूबसूरत

यात्राओं में से एक थी। वहाँ की पहली

शांत वातावरण ने मन को सुकून और

ताजगी दी। यह यात्रा हर उस व्यक्ति के

लिए अनिवार्य है जो प्रकृति के करीब

आकर जीवन के असली आनंद को

कुफरी में हमने स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी लिया। हिमाचली ढाबा में सिड्डू, चना मदरा और ताजे मक्खन के साथ परोसी गई गरमागरम रोटी का आनंद लिया। गरमागरम चाय और पकौड़े के साथ सर्द मौसम का अनुभव बहुत अच्छा था। हिमचल के लोग बेहद मिलनसार और गर्मजोशी से भरे हुए थे। हमने एक जगह पर रुककर ऊनी कपड़े और हस्तनिर्मित खिलौने खरीदे।

🗖 कविता S शाकिर अली शाकिर गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

वो दो घड़ी

वा दा घड़ा जा मर पास आ क बैठ गए हसीं नजारे गले से लगा के बैठ गए वफा की राह पे चलना बहुत ही मुश्किल है बहुत से लोग चले लड़खड़ाके

बैठ गए अकेले तुम ही नहीं आजमाने

तमाम लोग मुझे आजमा के बैठ गए अंधेरे रंजो अलम के कभी जो बढ़ने लगे

तुम्हारी याद का दीपक जला के बैठ गए

किसी से शहर में पर्दा नहीं है

हमें जो देखा कभी मुंह छुपा के बैठ गए

भटक गए हैं गुलिस्तां का रास्ता

नकाब रुख से ओ जब भी उठा के बैठ गए तेरी जफाओं ने रुसवा किया बहुत

जो तेरा जिक्र छिड़ा सर झुका के

मुआमलात की जब गुफ्तगू छिड़ी

शरीफ लोग उठे दूर जाके बैठ गए।।



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

त्यंग्य = बर्बरीक

🕝 ल्ली, मेरे ख्वाबों और मेरी आरजुओं का शहर। दिल्ली, जो कभी 'दिलवालों की दिल्ली' के नाम से मशहूर हुआ करती थी। वही दिल्ली अब ओपेन गैस चैम्बर के नाम से भी जानी जाती है। दिल्ली, जो सल्तानों की लट से लेकर शायरों का महबूब शहर हुआ करता था। जिस दिल्ली के बारे में उस्ताद शायर साहब ठंडी आह भरकर कहा करते थे 'कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोडकर'। उसी दिल्ली में तन-मन की बदहाली के बाद मुझ जैसे कलमकार को डॉक्टर का हुक्म हुआ कि 'हवा पानी बदलो। दिल्ली से कम से कम सौ किलोमीटर दूर चले जाओ। तो शायद बच जाओ और सौ साल तक जियोगे। नहीं प्रदूषण के पंजे में आ गए तो खांस-खांस कर जिंदगी की खुशहाली पर झाडू लग जाएगी। दिल्ली की हवा अब जानलेवा गैस बन चुकी है और पानी में इतनी गंदगी व्याप्त हो गई है कि नयनाभिराम कमल खिलने की बजाय बजबजाती हुई जलकुंभी ही अटी पड़ी रहती है। सो बेहतरी इसी में है कि कुछ वक्त के लिए पहाड़ या गांव चले जाओ।'

डॉक्टर की तजबीज 'पहाड़ या गांव'

वाली बात मेरे दिमाग मे कुलबुलाने लगी। दिल्ली के आसपास की जो पहाड़ वाली जगहें थीं, वहाँ के ठहरने का किराया पहाडगंज के होटलों से भी महंगा था। और रहा सवाल गाँव का तो? दिल्ली के जिस इलाके में अपना जीवन गुजार रहा था, वह गांव ही कहलाता था। ऐसा इलाका जहां बिल्डिंग्स और महंगाई आसमानी थी, फिर भी नाम था गांव। यानी उत्तराखंड के महंगे पहाड़ और यश चोपड़ा की फिल्मों वाला पंजाब का गाँव, दोनों ही मेरी पहुंच से बाहर थे। सो मैंने अपने ही पुश्तैनी गांव की राह ली जो कि यूपी के अवध की तराई में था। यूपी का वही गांव, जिसमें मैं पैदा तो हुआ था पर कभी रहा नहीं था। और जिससे मुझे एक अनजानी चिढ़ थी, दिल्ली में रहते हुए भी। उन्हीं गांव वालों के घर जा रहा था, जो दिल्ली में अपनत्व के कारण यूँ ही अकारण हमसे मिलने चले आते थे। पर उन्हें देखकर मैं जल-भुन जाया करता था और उनके रहन -सहन तथा पहनावे को देखकर कहता था 'देहाती कहीं के'।

अचानक दिल्ली से गांव जाने के लिए रेल आरक्षण मिलना मुश्किल था।

दिल्ली के नकली गांव से अपने असली गांव जाने के लिए मैंने अपना सामान पैक किया, दिल्ली को हसरत भरी निगाह से देखकर एक मारूफ शायरा का शेर पढ़ा -'कुछ तो तेरे मौसम ही मुझे रास कम

और कुछ मेरी मिट्टी में बगावत भी बहुत

दिल्ली के रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सीट न मिलने की वजह से आनंद विहार से यूपी रोडवेज की बस पकड़ी और फिर बस अड्डे से बस के बाहर आते ही 'वेलकम टू यूपी'। रात भर के सफर के बाद सुबह-सुबह ही मैं अपने गांव पहुँच गया। वही गांव, जिसका रेशा-रेशा खुरच कर अपने वजूद से मैं काफी पहले ही उतार चुका था। उतारना क्या? वास्तव में दिल्ली में पले-बढ़े होने के कारण गंवई रंग और देहातीपन मैंने खुद में कभी आने ही नहीं दिया था। मुझे तो दिल्ली के अपने उस इलाके से भी चिढ़ हो जाती थी, जब साइनबोर्ड पर इलाके के नाम के आगे गांव लगता था। मैं मन ही मन बुदबुदाता ह्यहे भगवान, ये दिल्ली जो कॉलोनी और पुरी के उपनामों से भरी हुई थी। वहाँ पर मेरे हिस्से में गांव का ही निवास आना था। जिस गांव शब्द से ही मुझे इतनी चिढ़ थी, आज मैं उसी गाँव की पनाह में था। गांव, गंवईपन, ग्रामीण और देहातीपन से मुझे एक खास किस्म की खीझ रहा करती थी। वैसे अब दिल्ली से भी खासी बेजारी थी। सो गांव में मन लगने के आसार थे, मगर गांव के अपने रंग-ढंग भी थे। गांव पहुंचा तो कुल-खानदान के लोगों ने

आत्मसात कर लिया। वही गांव जो मेरे लिए शर्म था मगर गांव के अपने कुनबे के लोगों के लिये अब मैं गर्व था। गांव में मुझे मिले रामजस काका, जो मेरे ही समवय थे, मगर रिश्ते में काका लगते थे। वह पैदा तो मुंबई में हुए थे और शुरू के कुछ वर्षों तक मुंबई के कान्वेंट स्कूल में पढ़े थे, मगर बाद में समय का चक्र ऐसा घूमा कि उनके जीवन के अगले तीन दशक गांव में ही बीते और अब गांव में ही रम गए थे। पहले ग्राम प्रधान हुआ करते थे, मगर फिलवक्त सात वोटों से प्रधानी हार गए थे। वह जान गए कि मैं अचानक गांव आया हूँ तो जरूर सब कुछ सामान्य नहीं है। वह रहते तो गांव में थे, मगर उनके अंदर का शहर उनके जेहन और जीवन से निकल नहीं पाया था। मेरे स्वास्थ्य की समस्या के बारे में जानकर उन्होंने मुझे तसल्ली दी कि शुद्ध हवा, पानी, भोजन का

प्रबंध तो वह कर देंगे, मगर गांव की पॉलिटिक्स और परसेप्शन में अगर मैं उलझा, तो मैं शहरों के रास्तों से ज्यादा कन्फ्यूज हो जाऊंगा। गांव का अपना रंग-ढंग और चलन होता है। आज के गांव न तो यश चोपड़ा की फिल्मों की तरह सुंदर और हरे-भरे हैं और न ही मैथिली शरण गुप्त के 'अहा ग्राम्य जीवन भी क्या है' की तर्ज पर सहज-सरल रह गए हैं। गांव में खूंटा और नाली के विवाद के मुकदमे ढोते-ढोते दो पीढियां गश्त हो जाती हैं। गांव में सब कुछ सहज-सरल नहीं होता, यहाँ की बौद्धिक जुगाली 'लुटियंस जोन' के स्तर की होती है। जिस तरह वहाँ एक ड्रिंक पर सरकार बनाने या गिराने के दावे किए जाते हैं, वैसे ही गाँव में जो बंदा कभी जनपद मुख्यालय से बाहर नहीं गया हो, वह देश के किसी भी सेलेब्रिटी और वीआईपी से अपनी अंतरंगता के किस्से सुना सकता है। मैंने उनकी बातों को सजगता से सुना और गांठ बांध ली कि किसी भी घटना या वक्तव्य पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देनी है। न ही अच्छी और न ही बुरी, बस तटस्थ रहना है। अलसुबह मुझे रामजस काका अपने साथ घुमाने निकले। उन्होंने कहा 'गाँव में कोई मेरा नाम नहीं लेता। बहुत सारे लोग मुझे रामजस के शॉर्ट फार्म में आरजे बुलाते हैं। कुछ लोग प्रधान जी भी कहते हैं। आओ तुम्हे गाँव के कुछ रंग-ढंग और परशेप्शन बताता हूँ'।

मैंने हैरानी से उनकी तरफ देखा तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा-

'गांव में अगर तुम्हारे जैसे महानगर से आया हुआ आदमी महीने भर से ऊपर ठहर जाए तो गांव वाले यही समझेंगे कि इस आदमी की नौकरी चली गई है। भले ही तुम्हारे खर्चों में उन्हें कोई कटौती नजर न आये, मगर वह तुम्हे बेरोजगार ही समझेंगे'। अपने को लेकर मैं कुछ जवाब दे पाता

इससे पहले उन्होंने आगे कहा -

'और अगर रोज सुबह दौड़ने निकल जाओ तो गांव के लोग मान जाएंगे कि इस

बंदे को शुगर हो गया है। यहाँ सुबह की दौड़ को फिटनेस से नहीं, बल्कि शुगर से जोड़ा

अब तो मुझे भी उनकी गंवई बातों में दिलचस्पी आने लगी। मुझे मुस्कराते हुए देखकर उन्होंने उत्साह से आगे कहा-

'अगर कम उम्र में ही ठीक- ठाक कमा कर और लौट कर गांव में पर्याप्त खर्चा करने वाले इंसान के बारे में आधा गाँव मान लेता है कि शहर में जरूर यह आदमी दो नंबरी काम करता होगा। और अगर उस इंसान ने जल्दी शादी कर ली तो गांव में यह आम धारणा बन जाती है कि उस शख्स का बाहर कुछ इंटरकास्ट चक्कर चल रहा होगा, इसीलिए घर वाले फटाफट शादी कर दिए'।

यह बात भी मुझे काफी मजेदार लगी। रामजस काका ने मुस्करा कर कहा 'अगर लड़के की नौकरी लगी है और लड़का किसी वजह से शादी में देर कर रहा है तो लोगों का मेन आक्षेप यह रहेगा कि या तो लड़के के घर में बरम है या तो लड़का मांगलिक है। लोग बाग किसी गृहदोष या हैसियत से ज्यादा दहेज मांगने की बातें बनाने लगते हैं'।

मुझे उनकी बातों में काफी लुत्फ आया। रामजस काका ने उनकी बातों से मुझे मिले लुत्फ को भांपकर आगे कहा -

'और अगर कोई शादी बिना दहेज का कर लिए तो ज्यादातर गांव में कहेंगे कि लड़की प्रेगनेंट थी, पहले से ही इज्जत बचाने के चक्कर में लव मैरिज को अरेंज मैरिज में कन्वर्ट कर दिए लोग'।

रामजस काका की इस बात से मुझे काफी मजा आया। गांव की पहली सुबह में ही सतत मुस्कान मेरे अधरों पर खेलने लगी

रामजस काका ने कहा

'गांव के युवकों के बारे में दो चार मजेदार बातें और सुनो, जिनसे वो दो-चार

पहला अगर कोई युवक खेत की तरफ

झाँकने नहीं जाता तो गांव में लोग कहते हैं कि अभी बाप का पैसा है, तभी उधर खेत-वेत झांकने नहीं जाता। दूसरे कुछ बरस बाद जब गांव वालों के तानों से आजिज होकर वही लड़का खेती-किसानी में रुचि लेने लगता है, तब लोग कहते हैं कि देखा धीरे-धीरे चर्बी उतरने लगा है'।

यह विरोधाभास सुनकर मेरी हंसी छूट

रामजस काका ने भी हंसते हुए कहा-

ज्यादा हंसो मत। तुम जैसे शहर से गांव लौटे लोगों के बारे में भी आमतौर गाँव के लोग क्या समझते हैं? यह भी सुनो ध्यान से।अगर महानगर से मोटे होकर गांव आये तो गांव में यह आम राय होती है कि जरूर यह बंदा शहर में बीयर पीता होगा। और कहीं बंदा दुबला होकर गांव आये तो मान लेते हैं जरूर बंदा शहर में गांजा-चिलम पीता रहा होगा, तभी उसे टीबी हो गया है और अब अपनी सेहत सुधारने गांव आया

मुझे अपनी दुबली-पतली सेहत का ख्याल आया तो थोड़ा अजीब भी लगा कि गाँव में लोग मुझे चिलमची या टीबी का मरीज समझेंगे।

रामजस काका ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा 'और सुनो, अगर बाल बढ़ा के गांव लौटो तो गांव में काफी सारे लोगों को लगता है कि यह बंदा किसी ड्रामा कंपनी में नचिनया का काम करता है। हालांकि अपने दरवाजे पर होने वाली नौटँकी-नाच को भी गांव वाले आर्कस्ट्रा कहते हैं और वहीं दूसरा कोई किसी बड़े आर्कस्ट्रा में भी काम करे तो उसे नचनिया पुकारेंगे। कुल मिलाकर गाँव में बहुत मनोरंजन है। यहां कोई डिप्रेशन में नहीं आता और ये बतकहियां ही मनोचिकित्सक का काम करके मन की पीड़ा सोख लेती हैं। तब तक किसी ने उधर से कहा 'गुड़ मॉर्निंग आरजे । हू इस दिस कूल ड्यूड विथ यू' यह कहते हुए उन्होंने मेरी तरफ हैंडशेक के लिए











नगर निगम ने की हॉस्टल-लॉज संचालकों से लाइसेंस लेने की अपील

हॉस्टल-लॉज संचालक हो जाएं अलर्ट

CITY

THE PHOTON NEWS www.thephotonnews.com Sunday, 15 December 2024

© BRIEF NEWS

झारखंड की शिक्षा व्यवस्था की मौजूदा स्थिति किसी त्रासदी से कम नहीं :बाबूलाल

RANCHI: भारतीय जनता पार्टी

के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। राजधानी में अवैध रूप से हजारों मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट की संख्या में हॉस्टल लॉज चल साझा करते हुए कहा कि झारखंड रहे हैं। अब संचालकों की की शिक्षा व्यवस्था की मौजूदा मनमानी पर रोक लगाने को स्थिति किसी त्रासदी से कम नहीं लेकर रांची नगर निगम सख्त हो है। मरांडी ने कहा कि पाकुड़ में गया है। वहीं जल्द से जल्द 506 छात्रों के भविष्य की संचालकों से इसके लिए जिम्मेदारी एकमात्र शिक्षक के लाइसेंस लेने की अपील की है। भरोसे है। यह हकीकत शिक्षा को इतना ही नहीं, हॉस्टल के प्राथमिकता देने का दावा करने लाइसेंस के लिए जरूरी वाली हेमंत सरकार की खोखली दस्तावेज और फोटो भी मांगे गए घोषणाओं की भी पोल खोल रहा हैं। ऐसा नहीं करने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले हॉस्टल व लॉज पर फाइन शिक्षकों की बहाली रोककर लगाई जाएगी। इसके बाद भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हजारों लाइसेंस नहीं लेने पर एक्ट के बच्चों के सपनों का गला घोट रहे तहत कार्रवाई करते हुए उसे हैं। बच्चों को गणवत्तापर्ण शिक्षा सील कर दिया जाएगा। हॉस्टल-देना उनका संवैधानिक हक और लॉज का लाइसेंस नहीं होने पर सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। जांच के दौरान पहली बार 25 हजार की पेनाल्टी लगाई जाएगी। क्रशर मालिक से रंगदारी इसके बाद दूसरी बार पेनाल्टी के मांगने वाला गिरफ्तार साथ रिमाइंडर भेजा जाएगा।

नहीं है लाइसेंस तो लग जाएगा ताला शहर में बिना लाइसेंस के चल रहे हैं 4 हजार से अधिक हॉस्टल-लॉज

लिए ये जरूरी

• होल्डिंग टैक्स रसीद

• वेस्ट यूजर चार्ज

• बिल्डिंग की फोटो

• सीसीटीवी की फोटो

• फायर फाइटिंग की

• एंट्रेंस गेट की फोटो

• हॉस्टल के बाहर

लगा नेम प्लेट

• भवन का नक्शा

• आधार कार्ड

• पैन कार्ड

रसीद

फोटो

करते हुए हॉस्टल-लॉज को

वहीं तीसरी बार भी 25 हजार के निगम एक्ट के तहत कार्रवाई

• नियमों का उल्लंघन करने पर तत्काल लगाई जाएगी पेनाल्टी

पेनाल्टी के साथ रिमाइंडर भेजने

का प्रावधान है। इसके बाद नगर

अडानी घोटाला और मणिपुर हिंसा का किया जाएगा विरोध

लाडसेंस के दो दर्जन ने किया आवेदन

• अब तक राजधानी में मात्र 77 हॉस्टल लॉज संचालकों ने लिया है लाइसेंस

नगर निगम ने संचालकों के लिए

आम नोटिस जारी किया है। इसके

तहत हॉस्टल और लॉज संचालकों

को लाइसेंस लेने की अपील नगर

दर्जन संचालकों ने ही लाइसेंस के

लिए आवेदन दिया है। जिससे

समझा जा सकता है कि इन

का संचालन कर रहे है। वहीं

निगम ने की है। इसके बाद करीब दो

संचालकों को निगम की कार्रवाई का

कोई डर नहीं है। वहीं ये लोग नियमों

हॉस्टल-लॉज में रहने वाले स्टूडेंट्स

की जान से खिलवाड़ कर रहे है।

मानकों पर खरा उतरना है। बता दें

कि परे शहर में 4 हजार से अधिक

हॉस्टॅल लॉज का संचालन किया जा

चुंकि लाइसेंस के लिए उन्हें कई

को ताक पर रखकर हॉस्टल-लॉज

• 20 संचालकों ने नोटिस के बाद दिया है नगर निगम में लाइसेंस के लिए आवेदन



हॉस्टल के आवेदन के लिए भवन का नक्शा जरूरी है। लेकिन ये नियम 2013 से पहले बने भवनों के लिए लाग नहीं होगा। हालांकि नगर निगम पूरे शहर में बिना नक्शा के बने भवनों को रेगुलराइज करने की तैयारी में है। इसके बाद धीरे-धीरे सभी भवनों को रेगुलराइज किया जाएगा। फिलहाल संचालकों को इस नियम से छूट दी गई है।

बेटियों की सुरक्षा के साथ नहीं हो सकता कोई समझौता : संजय सेट

PHOTON NEWS RANCHI: केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने

रांची के एक स्कूल की छात्रा के साथ हुई छेडखानी की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे बेहद शर्मनाक और घणित बताते हुए प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह दखद है कि मनचलों में पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। प्रशासन कब जागेगा। यह पूरी व्यवस्था के लिए एक बडी चुनौती है। साथ ही कहा कि रांची जहां पूरे झारखंड की बेटियां पढ़ाई और रोजगार के लिए आती हैं, वहां उनकी सुरक्षा को लेकर हर अभिभावक चिंतित है। रांची पुलिस को चाहिए कि वह स्कूलों और कॉलेजों के आसपास गश्त तेज करें और बेटियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करें। गश्ती पलिस को सिर्फ चौक-चौराहों पर खड़े होकर अपनी ड्यूटी पूरी करने की बजाय इन क्षेत्रों में सिक्रय रहना होगा। प्रशासन केवल बैठकर खानापूर्ति करने में लगा हुआ है और बेटियां ऐसे घिनौने कृत्यों का शिकार हो रही हैं। सेठ ने आगे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने की छेडखानी की घटना की निंदा 🗨 कहा– मनचलों में खत्म हो चुका है पुलिस का खौफ



तैनाती और अधिकारियों के निदेशों का पालन भी ठीक से नहीं हो रहा है। यह कैसी व्यवस्था है कि राजधानी में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। प्रशासन और पलिस को त्वरित कार्रवाई करनी होगी। संजय सेठ ने रांची पुलिस से अपील की कि वह ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी संवेदनशील इलाकों को चिह्नित करें और बेटियों और महिलाओं की सरक्षा की गारंटी सनिश्चित करें।

RANCHI: झारखंड एटीएस की टीम ने क्रशर मालिक से 20 लाख की रंगदारी मांगने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों को एटीएस ने रांची पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार, बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह रोड निवासी क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण सिंह उर्फ अनुप सिंह से देवा गिरोह के सदस्य अविनाश तिवारी ने 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। इस संबंध में शैलेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बरियात् थाना में

मौसम केंद्र का स्टेक होल्डर्स वर्कशॉप कल

प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

RANCHI: मौसम केंद्र 16 दिसंबर को स्टेक होल्डर्स वर्कशॉप का आयोजन करेगा। यह कार्यशाला भारतीय मौसम केंद्र के 150 वर्ष पूरा होने के मौके पर आयोजित हो रहा है। यह जानकारी शनिवार को मौसम विभाग की ओर से प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई। यह आयोजन रांची स्मार्ट सिटी के सभागार में होगा। जिसमें मख्य अतिथि के रुप में प्रदेश के राज्यपाल संतोष गंगवार होंगे। विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह और आपदा प्रबंधन सचिव राजेश कमार सिंह

कोहरे के कारण हो रहीं दुर्घटनाओं को रोकें : डीजीपी

RANCHI: डीजीपी अनराग गप्ता ने कोहरे के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने का निर्देश दिया है। बताते चलें कि कोहरे के कारण आये दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जाने की बात सामने आ रही है। पिछले दिनों गुमला के बसिया में खड़ी गाड़ी में धक्का मार देने से कार सवार चार लोगों की मौत हो गयी थी। वहीं हजारीबाग की चरही घाटी में भी सड़क दुर्घटना हुई थी। सड़क पर खराब होनेवाले वाहन इमरजेंसी लाइट जलायेंगेडीजीपी अनुराग गुप्ता ने कोहरे के कारण हो रही सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने के संबंध में निर्देश जारी किये हैं। अगर कोई वाहन सड़क पर चलने के दौरान खराब हो जाते हैं, तो उक्त वाहन में इमरजेंसी लाइट जलाकर रखनी होगी।



और जालसाजी के आरोपों के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। वहीं मणिपुर में जारी हिंसा के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगना है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने इस बारे में बताया कि इस मार्च में मंत्री. सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पर्व विधायक, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष. अग्रणी संगठन. विभाग

और प्रकोष्ठों के प्रमुख नेताओं की भागीदारी होगी। यह मार्च लोकतंत्र में जवाबदेही और न्याय के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को पुनः स्पष्ट करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग ने गौतम अडानी और उनके सहयोगियों के खिलाफ भ्रष्टाचार.

मनी लॉन्ड्रिंग और बाजार में हेरफेर के गंभीर आरोप लगाए हैं। ये भारतीय व्यापार और वित्त की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं। इन आरोपों ने कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही सरकार द्वारा इस मुद्दे पर चुप्पी साधना और संसद में चर्चा को रोकने का प्रयास चिंता का विषय है। सिन्हा ने यह भी बताया कि मणिपुर में जारी हिंसा, गोलीबारी और कर्फ्यू के कारण वहां के नागरिकों की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। इसके बावजूद, केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार इस स्थिति को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। प्रधानमंत्री ने मणिपर का दौरा नहीं किया, जो इस संकट के प्रति उनकी गंभीरता को

सीएम के हस्तक्षेप पर 17 साल बाद आदिम जनजाति वर्ग के युवा को मिला न्याय 18 को प्रदेश कांग्रेस निकलेगी राजभवन मार्च RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

के हस्तक्षेप पर 17 वर्ष के संघर्ष के बाद आखिरकार लातेहार निवासी आदिम जनजाति के युवा सुनील ब्रिजिया को उसका हक -अधिकार मिल गया। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद उसे अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिल गई। इस संबंध में मुख्यमंत्री को सुचित करते हुए उपायुक्त लातेहार ने बताया कि उक्त मामले में अनुकंपा समिति के निर्णय के आधार पर सुनील ब्रिजिया को नियुक्त करते हुए योगदान की तिथि से पदस्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री को जानकारी मिली थी कि लातेहार के हेनार गांव निवासी सुनील ब्रिजिया के पिता रामदास बृजिया सरकारी शिक्षक थे। वर्ष 2007 में उनकी मृत्यु हो गई थी। सरकारी प्रावधान के तहत अनकंपा के आधार पर उन्हें सरकारी नौकरी दी जानी थी। लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिली थी। सदर हॉस्पिटल की दहलीज पर बुजुर्ग की मौत, तीन घंटे पड़ी रही डेड बॉडी

PHOTON NEWS RANCHI: सदर हॉस्पिटल रांची वैसे तो मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने में आगे रहा है। कई उपलब्धियां भी हॉस्पिटल के नाम से जुड़ी हुई हैं। इस बीच हॉस्पिटल से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां हॉस्पिटल की दहलीज पर ही एक बुजुर्ग की मौत हो गई। इतना ही नहीं 3 घंटे से अधिक समय तक उसका शव वहीं पर पड़ा रहा। लेकिन, किसी ने उसकी सुध नहीं ली। कैंपस में शव पड़े रहने की सूचना जब डीएस को मिली तो वह भागते हुए पहुंचे और शव को उठाकर मॉच्युरी में रखवाया। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि तीन घंटे से अधिक समय तक

बुजुर्ग का शव पड़ा रहा और किसी

ने इसपर ध्यान नहीं दिया, जबकि

पूरे कैंपस में सीसीटीवी लगा है।

• सूचना मिलने के बाद डिप्टी सुपरिटेंडेंट ने शव को उटाकर मॉर्च्युरी में रखवाया

स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के दावों की खुली पोल

डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. विमलेश सिंह ने बताया कि कर्मचारियों से पूछताछ में पता चला कि सुबह 10 बजे के आसपास कैंपस में उसे घूमते हुए देखा गया था। उसे कर्मचारियों ने खाना भी खिलाया था। उसके बाद ये सूचना मिली की उसकी मौत हो गई हैं। मैंने खुद जाकर शव को उढवाया। वहीं पुलिस को भी सूचन

दे दी गई है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि कुछ

लोग ठंड से उसकी मौत होने की

डीएस बोले, कर्मचारियों

ने खिलाया था खाना

जिला प्रशासन के दावों की हकीकत

हॉस्पिटल की दहलीज पर बुजुर्ग की मौत से कई सवाल उठ रहे है। जब जिला प्रशासन लावारिस और बेघर लोगों को रेस्क्यू कर उन्हें शेल्टर होम पहुंचा रहा है। वहीं जो शेल्टर होम जाने को तैयार नहीं है उन्हें कंबल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा उनके लिए अलाव की भी व्यवस्था की जा रही है। लेकिन, इस बुजुर्ग के पास न तो दान किया कंबल मिला और न ही उसका रेस्क्यू किया गया।

छात्राओं से छेड़छाड़ मामले में आईजी डीआईजी और एसएसपी ने की जांच

PHOTON NEWS RANCHI: शहर के अपर बाजार स्थित कन्या

पाठशाला स्कल के बाहर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद पुलिस के अधिकारी शनिवार को मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। आईजी अखिलेश झा, डीआईजी अनुप बिरथरे और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा सहित अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। इस मामले को लेकर आईजी अखिलेश झा ने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है। और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी। साथ ही पलिस के अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर प्रिंसिपल से बात की और सुरक्षा के दृष्टिकोण से हर सुविधा मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। स्कूटी सवार युवक के विरुद्ध

कोतवाली थाना में एफआईआर



दर्ज कराई गई है। उल्लेखनीय है कि रांची के कन्या पाठशाला स्कल के बाहर मनचले बच्चियों के साथ छेड़खानी कर रहे हैं। मनचले सुबह सात बजे से सनसान गली का फायदा उठाकर उनके साथ गलत हरकत करने की भी कोशिश करते हैं। इस डर से बच्चियों ने स्कल आना बंद कर दिया है। इस मामले को लेकर स्कल के शिक्षक थाने भी गये थे लेकिन कोई कारवाई नहीं की गयी। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गयी है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि एक स्कूटी पर सवार मनचला लड़िकयों के साथ कैसे बदसलूकी कर रहा है।

शनिवार को डोरंडा स्थित लॉरेटो स्कुल में आगमन काल का विशेष मिस्सा बलिदान एवं क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन हुआ। इस दौरान रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने स्कल में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और उनके माता-पिता के लिए आगमन काल का मिस्सा बलिदान अर्पित किया। विंसेंट आइंद ने अपने धर्मीपदेश में कहा कि चरनी में लेटा नन्हा प्रभु यीशु ही क्रिसमस का केंद्रबिंदु है। यही नन्हा बालक हमें याद दिलाता है कि प्रभु हमें प्यार करता है और उसका वास हमारे बीच है। हम सिर्फ बाहरी चीजों मिठाई बनाना, कपडे खरीदना. शॉपिंग करना. घर की सफाई करना इत्यादि पर न

PHOTON NEWS RANCHI:



नन्हा प्रभु यीशू ही है क्रिसमस का केंद्रबिंद : विंसेंट

कार्यक्रम में शामिल लोग। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने अपने संबोधन में स्वार्थ त्याग कर सभी को क्रिसमस की खुशी में शामिल होने, सेवा और संवेदना व्यक्त करते हुए क्रिसमस मनाने का आह्वान किया। विशेष मिस्सा बलिदान के बाद स्कूल परिसर में क्रिसमस गैदरिंग का भी आयोजन किया गया। विंसेंट आइंद भी लगे रहें, बल्कि प्रभु को अपने विद्यालय परिवार के साथ इस में स्वागत करें। गैदरिंग में शामिल हुए। आगमन

काल के मिस्सा बलिदान और क्रिसमस गैदरिंग के अवसर पर रांची के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के आलावा फादर रवि. फादर सुधीर कुजूर, फादर पीटर सांगा, फादर प्रभात, सिस्टर ग्लोरिया, सिस्टर आर्चिबशप के सेक्रेटरी फादर असीम मिंज, लॉरेटो विद्यालय के कैथॉलिक छात्राएं, शिक्षकगण एवं

क्रिसमस कार्निवल का आयोजन किया गया। झारखंड क्रिश्चियन • फोटोन न्युज

यूथ एसोसिएशन की ओर से एक नूस निकाला गया, जो डंगरा र्टाली से हुए सर्जना चौक की ओर लौट गया। वहां पहुंचने के बाद जुलूस प्रार्थना सभा में तब्दील हो गया। इस दौरान केक भी काटा गया। वहीं बिशप सीमांत तिर्की ने प्रभु का संदेश दिया। युवाओं ने क्रिसमस सांग से सभी का दिल जीत लिया। सजी हुई गाड़ियों पर बैंड ने भी अपनी परफार्में स से समां बांध दिया। लाल रंग की टोपी पहने युवा क्रिसमस कैरोल गा रहे थे। एसोसिएशन के संरक्षक अरविंद लकड़ा, अध्यक्ष कुलदीप तिर्की, शैलू डहंगा महासचिव हर्षित तिर्की समेत अन्य की अहम भूमिका रही।

क्रिसमस कार्निवल में

बिशप ने दिया संदेश

युवाओं ने काटा केक

शनिवार को लोयला मैदान में

डोरंडा स्थित लॉरेटो स्कूल में क्रिसमस गैदरिंग का हुआ आयोजन 31 दिसंबर को होगा न्यू

ईयर का ग्रैंड वेलकम

RANCHI: साल 2024 के फेयरवेल और न्य ईयर के ग्रैंड वेलकम की तैयारी शुरू हो गई है। सेलिब्रेशन काउंटडाउन की ओर से 31 दिसंबर को डीजे नाइट का आयोजन होगा। यह आयोजन रांची के डिबडीह स्थित कार्निवॉल बैंक्वेट हॉल में होगा। फाउंडर अमित सोनी, मैनेजिंग डायरेक्टर्स कुणाल व सीईओ आयष राज वर्मा बताया कि यह बिगेस्ट प्री न्य ईयर सेलिब्रेशन होगा। डीजे की धुन पर आने वाले

गेस्ट थिरकेंगे। इसके अलावा

रशियन बेली डांस आकर्षण का केंद्र

होगा। साथ ही खाने-पीने की भी

व्यवस्था होगी। पार्टी की शुरूआत

शाम सात बजे हो जाएगी, जो रात

के एक बजे तक चलेगी।

उपायुक्त ने की शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहीं योजनाओं की समीक्षा, बोले- मू-अर्जन प्रक्रिया को करें पूरा

परियोजनाओं को जल्द पूरा करने का डीसी ने दिया निर्देश

शनिवार को उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में जिले में चल रही विभिन्न परियोजनाओं, पथ निर्माण विभाग और भू-अर्जन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें रांची शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ससमय पूरा किया जाए। प्रमुख परियोजनाओं में सेंट्रल युनिवर्सिटी के पहुंच पथ का निर्माण, कटहल मोड़ से

अरगोड़ा पथ का चौड़ीकरण,

बिरसा मंडा एयरपोर्ट से कुटियातु

मोड़ तक पथ निर्माण, रांची रेलवे

PHOTON NEWS RANCHI:

स्टेशन तक दूसरा पहुंच पथ निर्माण, सिरम टोली चौक-राजेंद्र चौक मेकन गोलचक्कर पर 4 लेन फ्लाईओवर और अरगोड़ा से कटहल मोड़ भाया पुंदाग पथ का

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी मंजूनाथ मजंत्री।

चौड़ीकरण व मजबूतीकरण शामिल हैं। इन परियोजनाओं को शीघ्र पुरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि रांची में यातायात की समस्या का समाधान हो सके।

• फोटोन न्यूज

डीसी ने जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए कैंप आयोजित करने का निर्देश दिया। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी अंचल अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर वंशावली का सत्यापन और भूमि प्रतिवेदन प्रदान करने के लिए कहा। यह प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी होनी चाहिए, ताकि परियोजनाओं की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। उपायुक्त ने कहा कि रांची शहर में किसी भी प्रकार की अड़चन को तुरंत दूर किया

जिन रैयतों को मुआवजा नहीं मिला, उनका भुगतान तुरंत करने के लिए दी हिंदायत जाए। जिन रैयतों का मुआवजा किसी कारणवश नहीं हुआ है, उनका भुगतान तुरंत किया जाए, ताकि शहर को जाम मुक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि रांची में चल रही सभी परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इनकी समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची केके राजहंस, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल रांची (शहरी), रांची जिला के सभी अंचल अधिकारी और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज आईरिकॉन में जुटेंगे देश के कई बड़े आई सर्जन

अभिभावक शामिल हुए।

RANCHI: रविवार को रांची में नेशनल कांफ्रेंस आईरिकॉन का आयोजन होटल लीलैक में किया जा रहा है। इसमें एम्स नई दिल्ली, शंकर नेत्रालय, एलवीपीईआई, अरविंद आई हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा आईरिस हॉस्पिटल में लाइव सर्जरी और चर्चा की जाएगी। चीफ गेस्ट डॉ. राज मोहन एक्स प्रेसिडेंट झारखंड ओफ्थेल्मोलॉजिकल सोसाइटी और गेस्ट स्पीकर डॉ. प्रमोद एस भेंडे शंकर नेत्रालय चेन्नई, डॉ. तापस रंजन एलवीपीईआई भुवनेश्वर, डॉ. लव कोचगावै नेत्रलायाम कोलकाता, सोमदत्त प्रसाद कोलकाता, डॉ. पार्थप्रतिम दत्ता मजूमदार शंकर नेत्रालय, चेन्नई, डॉ. विशाल अरोड़ा गुडगांव, डॉ. रुचिर तिवारी आई सेंटर नोएडा उपस्थित रहेंगी।

पैनेसिया सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को जेएमएम के रांची

जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने बरियातू रोड जयप्रकाश नगर स्थित पैनेसिया सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह समाज को शीर्ष स्तरीय चिकित्सा सेवा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हॉस्पिटल में 65 बेड, 3 अल्ट्रा मॉडर्न ऑपरेशन थियेटर, डबल आरओ सिस्टम के साथ 10 बेड की एडवांस डायलिसिस यूनिट है। डॉ. प्रशांत ने बताया कि हमारे यहां पेशेवर डॉक्टरों और स्टाफ की एक टीम है। साथ ही कहा कि हमारे यहां यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी, ऑथोर्पेडिक व ट्रॉमा, गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल, मिनिमल एक्सेस सर्जरी, जेनरल सर्जरी, इंटरनल



मेडिसिन, आईसीयू, क्रिटिकल केयर, मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। हॉस्पिटल में मरीजों को ध्यान में रखते हुए ऐसा माहौल बनाया गया है कि उन्हें कोई परेशानी न हो। हाईटेक आईसीय और वर्ल्ड क्लास की फैसिलिटी के लिए हमारे यहां कोई मनमाना चार्ज नहीं होगा। वहीं जल्द ही मरीजों को ईएसआई, आयुष्मान, इंश्योरेंस से इलाज जैसी सुविधाएं भी मिलने लगेगी।

12,500 वादों का हुआ निपटारा, 5.92 करोड़ रूपये का सेटलमेंट लातेहार में पंचायत स्तर पर खुले ९ कानूनी सहायता केंद्र

JAMSHEDPUR: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शनिवार को पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के दिवंगत भाई भीमसेन मुंडा के श्राद्ध कर्म में सम्मिलित हुए। उन्होंने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने शोकाकुल परिवार से भेंटकर संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से प्रार्थना की कि वे परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

BRIEF NEWS

कर्म में शामिल हुए गवर्नर

भीमसेन मुंडा के श्राद्ध

आग तापने के दौरान जल जाने से एक की मौत

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझंगाव रायसाइ निवासी हरीश महाराणा की आग तापने के दौरान जल जाने से इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मंझगाव रायसाइ निवासी हरीश महाराणा शुक्रवार की रात को अपने घर में लकड़ी जलाकर आग ताप रहा था। इसी दौरान उसके कपडे में आग लग गई। जब तक आग बुझाई जाती तब तक वह काफी जल चुका था। उसे देर रात सदर अस्पताल चाईबासा लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। शनिवार को सचना पाते ही सदर थाना की पुलिस सदर अस्पताल आई और शव का पोस्टमार्टम कराया। परिजनों ने बताया कि मतक घर में अकेला था और लकड़ी जलाकर आग ताप रहा था।

श्याम प्रेमी करेंगे सांवरिया के साथ नववर्ष का स्वागत

JAMSHEDPUR : शहर के विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से जुड़े श्याम प्रेमी साकची स्थित अग्रसेन भवन में 2024 की विदाई और नववर्ष 2025 का स्वागत खाटू श्याम के सानिध्य में करेंगे। श्याम प्रेमी ३१ दिसंबर की रात को न डिस्को जाएंगे ना होटल। ये नववर्ष सांवरिया के संग कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान लॉटरी से तीन भक्तो को बाबा श्याम का खजाना उपहार स्वरूप भेंट किया जाएगा। रविवार की संध्या ७.15 बजे से बाबा श्याम की पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्जवलन सहित भजनों की शुरूआत होगी, जो रात एक बजे तक चलेंगी। स्थानीय गायक अनुभव अग्रवाल, महावीर खंडेलवाल कविता अग्रवाल व प्रेरणा शर्मा बाबा श्याम के चरणों में भजनों की अमृत वर्षा कर भक्तों को झुमाएंगे।

दुर्घटना में स्कूटी के उड़े परखच्चे, तीन युवक घायल

RAMGADH: रामगढ़ थाना क्षेत्र के सीसीएल अरगड्डा जीएम ऑफिस के पास हुए सड़क हादसे में एक स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। शुक्रवार की देर रात हुए इस हादसे में स्कूटी पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार पड़ारुनाला पुलिया के समीप स्कूटी (जेएच24एल 8679)को किसी अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। दुर्घटना के बाद गाड़ी वाले फरार हो गए। घायल युवकों को लोगों की मदद से नईसराय सीसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जमशेदपुर में धर्मरक्षा निधि समर्पण अभियान शुरू



JAMSHEDPUR : विश्व हिंव परिषद, झारखंड प्रांत अंतर्गत सभी जिलों में धर्मरक्षा निधि समर्पण अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जमशेदपुर महानगर में बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन की बैठक में इसकी शुरूआत प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह के समक्ष विभाग सहमंत्री अरुण सिंह और जिला के अधिकारियों ने स्वनिधि समर्पण कर की। अब शहर में धर्म रक्षा के लिए विहिप से जुड़े कार्यकर्ता-सदस्य पूरे जिले में घूम-घूम कर निधि का सहयोग लेंगे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ऑनलाइन किया। उन्होंने लातेहार में 9 सहित राज्य के 1030 पंचायत लीगल सर्विस क्लीनिक एवं 90 दिनों के व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया। लोक अदालत में 12,500 वादों का निपटारा हुआ।

इसके साथ ही विभिन्न वादों में

5.92 करोड़ रुपये का सेटलमेंट

किया गया। इस मौके पर

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस

अधीक्षक कुमार गौरव, प्रधान

न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय

राजीव आनंद, जिला एवं अपर



लोक अदालत में मौजूद न्यायिक अधिकारी व बच्चे के साथ दंपत्ती। 🏻 फोटोन न्यूज

वर्षों से अलग रह रहे पति-पत्नी को मिलाया

कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश राजीव रंजन ने चार साल से अलग रह रहे समीर आलम एवं सोनी खातून को मिलाया। दोनों ने 19 मार्च 2021 को शादी की थी। शादी के कुछ महीने बाद ही दोनों के बीच झगड़ा होने लगा और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। दोनों अलग होना चाहते थे, लेकिन न्यायाधीश राजीव रंजन एवं दोनो पक्षों के अधिवक्ताओं के समझाने–बुझाने पर वे साथ रहने को राजी हो गए। वहीं, दसरे केस में जगेश्वर यादव और प्रीति देवी को मिलाया गया। इनका विवाह 9 जन 2016 में हिंदू रीतिरिवाज से हुआ था। दोनों से दो बच्चे हैं। जून 2024 से दोनों के बीच घरेलू विवाद शुरू हुआ, जो कोर्ट तक पहुंच गया। दोनों अलग रहने लगे। प्रीति देवी ने अलग होने और भरण-पोषण का केस किया था। कुटुंब न्यायालय के न्यायाधीश एवं मध्यस्थ्य अरबिंद प्रसाद गुप्ता ने दोनों को फिर से मिलाया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों जोडों को उपहार व मिटाई खिलाकर विदा किया

शर्मा, सिविल जज-तृतीय सह

कुमार मिश्रा, सीजेएम अब्दुल न्यायिक दंडाधिकारी स्वाति नसीर, एसीजेएम शशिभूषण विजय उपाध्याय, जिला विधिक

चैरसिया, एसडीजेएम प्रणव कमार, प्रभारी न्यायाधीश सह

वाइस प्रेसिडेंट राजेश कुमार शुक्ल ने प्रदान किया।

जमशेदपुर की लोक

अदालत में 2,16,118

मामलों का निष्पादन

कोर्ट में शनिवार को आयोजित

कुल २,१६,११८ मामलों का

नेशनल लोक अदालत में रिकॉर्ड

१४ करोड़ ३६ लाख ४३ हजार

238 रुपये की राजस्व प्राप्ति भी

हुई। मामलों के निष्पादन के लिए

पदाधिकारियों की 13 बेंच एवं

जमशेदपुर सिविल कोर्ट में न्यायिक

घाटशिला अनुमंडल कोर्ट में 2 बेंच

वाहन दुर्घटना व बीमा दावा से जुड़े

3 मामले में इंश्योरेंस कंपनी की

लाख का चेक दिया गया, जिसे

प्रधान जिला जज अनिल कुमार

मिश्रा व स्टेट बार कौंसिल के

ओर से पीडित पक्ष को लगभग 15

का गढन किया गया था। इसमें

प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट जेजेबी उत्कर्ष

चाईबासा में 90,507 मामलों का निपटारा

CHAIBASA: चाईबासा स्थित सिविल कोर्ट के 10 और चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय में 2 न्यायपीठों के अंतर्गत शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ। इसमें कुल ९०,५०७ मामलों का निष्पादन किया गया। इसके साथ ही 5 करोड़ ७१ ताख ३८ हजार २८१ रुपये का समायोजन हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय योगेश्वर मणि, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-प्रथम सूर्यभूषण ओझा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश-तृतीय तरुण कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विनोदं कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजीव कुमार सिंह, न्यायिक पदाधिकारी-प्रथम एंजेलिना नीलम मङ्की, एसडीजेएम सदर सह रजिस्टार सुप्रिया रानी तिग्गा ने मामलों का

जैन, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष पन्नालाल आदि भी

बाइकों की टक्कर में 2 की मौत, दो की हालत गंभीर



टायर जलाकर सड़क जाम करते आक्रोशित लोग।

PHOTON NEWS PALAMU:

जपला-छतरपुर मुख्य पथ के

🗕 विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने मृतकों के आश्रितों व घायलों की

हुसैनाबाद थाना अंतर्गत शनिवार मदद का दिया आश्वासन को ऊपरी गांव के समीप दो बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक युवती व उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने जपला-छतरपुर रोड को जाम कर दिया। हुसैनाबाद के विधायक संजय कुमार सिंह यादव व अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने घटनास्थल पहुंच कर हरसंभव मदद का भरोसा दिया। ग्रामीणों से जाम हटाने का आग्रह किया। पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सदर इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर देने की

दिया गया। मृतकों में जपला सीमेंट फैक्ट्री के हार्वे लाइन निवासी आदिल अहमद व गोलू कुमार घर से जपला ट्यूशन के लिए निकले थे। घायल हुसैनाबाद के ग्राम रपुरा निवासी दीपक कुमार व उसकी बहन रूबी कुमार परीक्षा देने जपला के एके सिंह कालेज आ रहे थे। ऊपरी गांव के समीप दोनों की बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई। इसमें जपला सीमेंट के हार्वे लाइन निवासी दोनों युवकों की मौत हो गई व परीक्षा देने जा रहे भाई बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक उक्त स्थान पर लगातार दुर्घटना होती है।

सरकारी स्कूलों के छात्रों को दिया जाएगा संपूर्ण शिक्षा कवच : डीसी

PHOTON NEWS RAMGADH:

रामगढ़ जिले के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब सम्पूर्ण शिक्षा कवच मिलेगा। बच्चों को 24 घंटे सातों दिन शिक्षकों के साथ संपर्क करने की सुविधा होगी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग करियर काउंसलिंग की भी सुविधा मिलेगी। डीसी चंदन कुमार की पहल पर डीएमएफटी से एक नई पहल की शुरूआत की गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी और शैक्षणिक संस्थान फिलो के बीच शनिवार को एमओयू साइन किया गया है। डीसी चंदन कुमार ने बताया कि रामगढ़ जिले में शिक्षा को बढ़ावा देने और सरकारी विद्यालयों में पढने वाली कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को विभिन्न सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ₹सम्पूर्ण शिक्षा

सरायकेला-खरसावां जिला के

गम्हरिया थाना क्षेत्र स्थित बड़डीह

गांव के पास बीती रात

अपराधकर्मियों ने बड़ी वारदात को

अंजाम दिया। अपराधियों ने यशपुर

पंचायत की मुखिया पार्वती सरदार

के पति और पारा शिक्षक संघ के

जिलाध्यक्ष सोनू सरदार (40) की

गोली मारकर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार, सोनू सरदार

को सात गोलियां मारी गईं। घटना

के वक्त वह पास के ही गंजिया में

आयोजित एक शादी समारोह से

लौट रहे थे। शक्रवार रात करीब

11 । 30 बजे जैसे ही वह बड़डीह

गांव स्थित स्कूल के पास पहुंचे,

पहले से घात लगाए अपराधियों ने

उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला

दीं। हमले के बाद अपराधी मौके

से फरार हो गए। घटना की सूचना



कवच की शुरूआत की गई है। डीसी ने कहा है कि जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि हर बच्चे को न केवल अच्छी शिक्षा मिले, बल्कि वह अपने करियर के सही मार्ग को पहचान सके। अपने सपनों को साकार करने के लिए जरूरी संसाधन और मार्गदर्शन प्राप्त करें। सम्पूर्ण शिक्षा कवच के तहत हम बच्चों को उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत

की यशपुर पंचायत की मुखिया

मिलते ही गम्हरिया थाना की

पुलिस मौके पर पहुंची और शव

को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला

सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस

की ओर से बताया गया है कि

मामले की जांच जारी है।

अपराधियों की पहचान के लिए

साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

के पति थे सोनू सरदार

अपराधियों ने पारा शिक्षक संघ के

जिलाध्यक्ष को मारी गोली, मौत

पहुंचाएंगे? ताकि वे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हो। सम्पूर्ण शिक्षा कवच के तहत छात्रों को न केवल विषयों से संबंधित सहायता काउंसलिंग राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उनके व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी स्कूल के बच्चों को नई संभावनाओं से परिचित कराया जाएगा और उन्हें उनकी रुचि और क्षमताओं के आधार पर सही दिशा में आगे बढ़ाने में सुविधा प्रदान की जाएंगी। सम्पूर्ण शिक्षा कवच₹ परियोजना के तहत शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम वर्मा और शैक्षणिक संस्था फिलो के बीच एमओय पर हस्ताक्षर किया गया।

5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाई जा रही विटामिन ए की दवा

DHANBAD : धनबाद में

झारखंड मात शिश स्वास्थ्य एवं पोषण माह की शुरूआत बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाकर की गई। धनबाद पीएचसी में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले सिविल सर्जन डॉ। चंद्रभानु प्रतापन ने बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई। उन्होंने कहा कि मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण माह के तहत बच्चे व माताओं के स्वास्थ्य को लेकर कई कार्यक्रम हो रहे हैं। जिला टीकाकरण पदाधिकारी डॉ। रोहित गौतम ने बताया कि 9 महीने से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई जाएगी। यह कार्यक्रम 12 जनवरी 2025 तक चलेगा। मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. अमित तिवारी, सदर प्रभारी डॉ. अनीता चौधरी समेत अन्य

मधुसूदन स्कूल का तीन दिनी वार्षिक खेलकूद शुरू



CHAKRADHARPUR: आसनतलिया स्थित मधुसुदन पब्लिक स्कूल व मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय का तीन दिवसीय वार्षिक खेलकुद शहरी क्षेत्र के शनिवार से प्रारंभ हुआ। इसका उद्घाटन विद्यालय के निदेशक बीके हिंदवार ने झंडोत्तोलन व मशाल जलाकर किया। इसी क्रम में विद्यालय के निदेशक बीके हिंदवार व नृपेंद्र महतो, प्राचार्य के। नागराजु, प्रशांत कुमार तिवारी, उपप्राचार्य बसंत कुमार महतो, उपप्राचार्या आरती कोड़वार आदि ने रंगबिरंगे गुब्बारे उड़ाए। उद्घाटन समारोह में दोनों विद्यालय के छात्रों ने बैंड के साथ मार्चपास्ट, पीटी, नृत्य, संगीत आदि

सड़क पर आतंक मचा रहा था अपराधियों का गिरोह, तीन को पुलिस ने किया अरेस्ट

अस्पताल मेदिनीनगर रेफर कर

PHOTON NEWS LOHARDAGA: जिले के सदर थाना पुलिस ने हथियार के साथ तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से लुटे गए लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में लोहरदगा बरवाटोली रोड निवासी प्रेम प्रकाश रमण का 19 वर्षीय पुत्र शैलेश कुमार साहू, सदर थाना क्षेत्र के तिगरा लालपुर गांव निवासी शैलवाहन महली का 24 वर्षीय पुत्र राजेंद्र महली और कैरो थाना क्षेत्र के नगजुआ गांव निवासी फिरोज अंसारी का 18 वर्षीय पुत्र इमरोज अंसारी शामिल हैं। इन अपराधियों के पास से 3 115 बोर की दो देसी कड़ा, तीन कारतुस, एक लैपटॉप, 2100 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन,



एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार अपराधियों के संबंध में एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अपराधियों का एक गिरोह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है। जिसके बाद लोहरदगा सदर थाना प्रभारी पलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया

कि पुलिस टीम ने लोहरदगा जिले के सदर थाना क्षेत्र के जुरिया डीएवी स्कूल रोड में सीतामणी एक्का के घर में छापेमारी की। जहां किराये के मकान में रह रहे शैलेश कुमार साह, राजेंद्र महली और इमरोज अंसारी को गिरफ्तार किया गया। इनकी तलाशी लेने पर दो लोडेड देसी कट्टा, चार मोबाइल. एक लैपटॉप, एक मोटरसाइकिल व अन्य सामान

चाकुलिया के राजाबासा गांव जाने वाली मुख्य सड़क पर आवागमन रोका

ओडिशा के सिमलीपाल अभयारण्य से भटक कर आई बाघिन को पकड़ने में जुटी वन विभाग की टीम

PHOTON NEWS GHATSHILA: के अभयारण्य से भटक कर आई. जिन्नत नामक बाघिन चाकलिया कालियाम पंचायत के राजाबासा साल जंगल में है। छठे दिन शनिवार को भी वन विभाग की टीम बाघिन को पकडने में जुटी रही। राजाबासा जंगल में बाघिन के होने के कारण आसपास के गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण खुद भी जंगल की ओर नहीं जा रहे हैं, ना अपने मवेशियों को जंगल जाने दे रहे हैं। वैसे राजाबासा जंगल में बाधिन को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने पूरी तैयारी कर

रखी है। इलाके का जनजीवन

अस्त-व्यस्त हो गया है। बाघिन

के डर से आसपास के विद्यालयों



बाधिन को पकड़ने की कोशिश करते वन विमाग के अधिकारी। 🔹 फोटोन न्यूज

और आंगनबाडी केंद्रों में भी बच्चों की उपस्थिति कम रही। वन विभाग द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र से ग्रामीणों को अपने घरों से नहीं निकलने के लिए चेतावनी दी जा रही है। जानकारी के मुताबिक बाधिन को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने

राजाबासा के जंगल में दो भैंसा बांध दिया है, ताकि बाघिन इनका शिकार करने आए और बाघिन को ट्रेंक्यूलाइजर गन से शूट कर बेहोश किया जा सके। इसी मकसद से ओडिशा और चाकुलिया वन विभाग की टीम ने दिन-रात डेरा डाल रखा है।

शिश् वार्ड की एक मशीन में लगी आग, हताहत नहीं

MEDNINAGAR : मेदिनीराय वार्ड की एक मशीन में शनिवार तड़के करीब तीन बजे आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। इससे पहले की आग व धुआं पूरे वार्ड में फैलाताा,

ऑनडयूटी कर्मियों ने बच्चों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट करा दिया। हादसे के

समय वार्ड में 30 बच्चे एडमिट थे। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सूचना मिलने के बाद उपायुक्त शशि रंजन ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोग बताते है कि आग का दायरा बढ़ जाता, तो दमकल पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ती।

आयोजन : एलबीएसएम कॉलेज में आदिवासी इतिहास और साहित्य पर हुआ विशेष व्याख्यान

भारत में आदिवासियों के मुकम्मल इतिहास पर होनी चाहिए बात : रणेंद्र

PHOTON NEWS JSR: भारत का इतिहास जो है, वो ब्रिटिश काल में एक यूरोपियन रूमानियत के तहत आर्य इतिहास बन कर रह गया। ईसा के 1500 साल पहले ऋग्वैदिककालीन भारत और उसके बाद उत्तर वैदिककालीन भारत की बात होती है। जबिक, आर्य रूट्स के लोग 1872 की जनगणना में मात्र 10 प्रतिशत थे। ईसा के पंद्रह सौ साल पहले तो एक प्रतिशत भी नहीं होंगे। तो, उनका इतिहास पूरे भारत का इतिहास कैसे हो सकता है। उनके अलावा इस देश के जो लोग हैं, वो द्रविड़ हों या मुंडारी और आग्नेय भाषा बोलने वाले लोग हों या साइनो तिब्बतन यानी हिमालय क्षेत्र और उत्तर पूर्व की भाषाओं को बोलने वालों के साहित्य और इतिहास को

भारत के साहित्य और इतिहास में

क्यों दाखिल नहीं होने दिया जा रहा



है। हम संगमकालीन भारत या मुंडारी कालीन भारत की बात क्यों नहीं करते। ये बातें सुप्रसिद्ध कथाकार रणेंद्र ने एलबीएस एम कॉलेज में शनिवार को आयोजित आदिवासी इतिहास और साहित्य पर विशेष व्याख्यान में कहीं। उन्होंने कहा कि आदिवासी इतिहास पर मुख्य रूप से कुछ राष्ट्रवादी इतिहासकारों ने और

काम किया है। लेकिन प्रायः हुल या उलगुलान को ही रेखांकित किया गया है, जो अब तक मुख्य रूप से अंग्रेजी और हिंदी में उपलब्ध है। कुमार सुरेश ने बिरसा मुंडा पर, जेसी झा ने भूमिज विद्रोह और पुरुषोतम कुमार ने कोल रिवोल्ट पर लिखा। आधुनिक भारत के इतिहास

में आदिवासी इसी तरह आते हैं। चट्टोपाध्याय, रामशरण शर्मा ने गणराज्यों की बात की है। लेकिन कैसे मौर्य साम्राज्य के उदय ने उनको नष्ट किया और उनको जंगलों में बसने के लिए मजबूर किया, उस पर बहुत काम दिखता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत में

इन्होंने भी रखे विचार

आयोजन की शुरूआत दीप प्रज्जवलन से हुई। स्वागत हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पुरुषोत्तम प्रसाद, संचालन हिंदी विभाग के डॉ. सुधीर कुमार व धन्यवाद ज्ञापन संथाली के विभागाध्यक्ष प्रो. बाबूराम सोरेन ने किया। इस दौरान साहित्यकार भोगला सोरेन, प्रो. डॉ. विनय कुमार गुप्ता, प्रो. लक्ष्मण प्रसाद, डीएस आनंद, संजीव मुर्मू आदि ने भी व्याख्यानकर्ता से प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में एनसीसी के कैडेट्स और लिटिल इप्टा के कलाकारों ने नृत्य और गीत प्रस्तुत किए। आयोजन में प्रसिद्ध शायर प्रो. अहमद बद्र, डॉ. मौँसमी पाल, डॉ. राजीव रंजन राकेश, श्यामजी, प्रो. विनोद कुमार, जनार्दन प्रसाद गोस्वामी, डॉ. दीपंजय, डॉ. विजय प्रकाश, प्रो. संतोष राम, संस्कृतिकर्मी अर्पिता, प्रो. रितु, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. रानी, डॉ. प्रमिला किस्कू, डॉ. शबनम परवीन, प्रो. शिप्रा बोयपाई, लुसी रानी मिश्रा, अनिमेष बक्शी, प्रीति कुमारी, डॉ. प्रशांत, डॉ. जया कच्छप, डॉ सुष्मिता धारा, पूजा गुप्ता आदि भी मौजूद थीं

आदिवासियों के मुकम्मल इतिहास पर बात होनी चाहिए। कुमार सुरेश सिंह की बिरसा मुंडा पर शोधपरक पुस्तक की चर्चा करते हुए कहा कि इस खोये हुए इतिहास पुरुष को महाश्वेता देवी ने 'जंगल के दावेदार' उपन्यास के जरिए जन-जन के हृदय तक पहुंचाया। जिस प्रकार तथाकथित मुख्य धारा में

वैदिक पौराणिक मिथकों को लेकर ऐतिहासिक उपन्यास लिखने की जो परंपरा है, उसी तर्ज पर आदिवासी उपन्यास लिखने होंगे। इसके पूर्व विषय प्रवेश कराते हुए साहित्य अकादमी के पूर्व संयोजक डॉ. अशोक कुमार झा अविचल ने कहा कि आदिवासियों पर नॉर्थ ईस्ट जोन का इतिहास और साहित्य बहुत है।

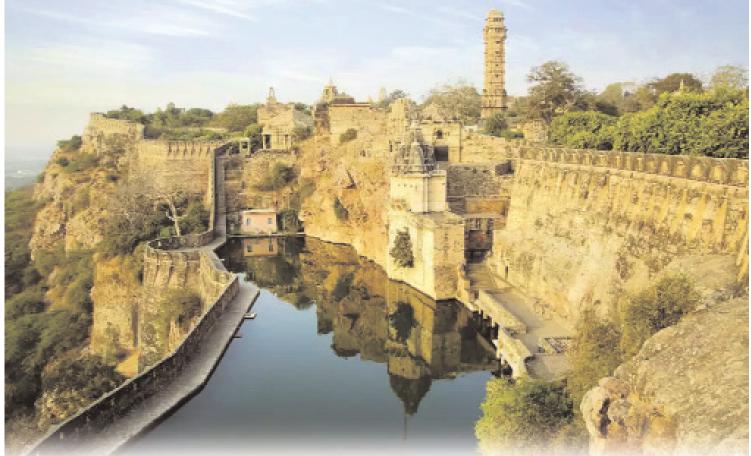
आज से होगा झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयेजन



PHOTON NEWS JSR:

झारखंड राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन 15 से 20 दिसंबर को होगा। बिष्टुपुर में शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में संजय उदय सत्पथी व राजू मित्रा ने बताया कि पांचवें संस्करण में 15 से 20 दिसंबर तक फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। 16 से 18 दिसंबर तक श्रीनाथ यूनिवर्सिटी और 19-20 दिसंबर को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस वर्ष अभी तक झारखंड के अलावा 10 देशों से एंट्री आई है, जिसमें यूनाइटेड स्टेट्स, जर्मनी, ब्राजील, आयरलैंड,

इटली, जापान आदि शामिल हैं। 21 दिसंबर को अवार्ड नाइट होगा, जिसमें नागपुरी, संथाली, छऊ खोरठा, मुंडारी व अन्य झारखंडी भाषा-संस्कृति का भी दर्शन होगा। एनजीओ अस्मा इंडिया चैरिटेबल व मित्रा प्रोडक्शन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित महोत्सव में बॉलीवुड की प्लेबैक सिंगर सपना अवस्थी, मुकेश भट्ट, डायरेक्टर अनिल रामचंद्र शर्मा भी आ सकते हैं। प्रेस वार्ता के दौरान कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक भरत सिंह, सुखदेव महतो, पूरबी घोष, अरुण बाकरेवाल के साथ साथ एडवाइजरी बोर्ड से गगन रुस्तगी व दीपिका बनर्जी भी मौजूद थीं।



बिलदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है. कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया. तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए. जो मेरी बेटी थी. जो मेरा बेटा था. मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है. उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है. आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं. मैं चित्तौड़गढ़ हूं आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों राजपूत थूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे. पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नहीं है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पढान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया. मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो. जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्चे उढाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लंड रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गडरिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था. पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये

खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार

बलिदानियों की धरती चित्तीड्गढ़

सामने ला दिया. फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए. सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नहीं कर सकता. लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया. वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था. लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन—पानी को बंद कर दिया. सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापित मोरा—बादल शहीद हम

मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए. हमारी रुपवती रानी पदिमनी को १६००० रानियों के साथ जौहर करना पडा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी. कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पदिमनी को पाने के लिए युद्ध किया था लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका रावलों के शासन का यहीं अंतू हुआ. 13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोडी थी. उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया. 1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिंसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए. राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया. महाराणा सांगा. महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई. मैं यानी चितौडगढ किला अभेद्य था.पहाडी के किनारे-किनारे खडे चटटानों की पंक्ति थी साथ ही साथ दर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल

मैदान में डेरा डाल देते थे. और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईव़ी में चित्तौड पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चूकी थी राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य कें व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने ह्माय् को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी हुमायुं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है. राणा कभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था. तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे. रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी. जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं

में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह

मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने परी

तरह से किले को बर्बाद कर दिया. एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे. मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी. 16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड का शासक घोषित कर दिया. मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया. उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पडा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेट पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो–दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई. ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गडरिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया. 1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है. न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा. मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है. मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी

है. मैं सब जानता हूं. मुझे मेरी हिफाजत

करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं

चित्तौड़ हूं.



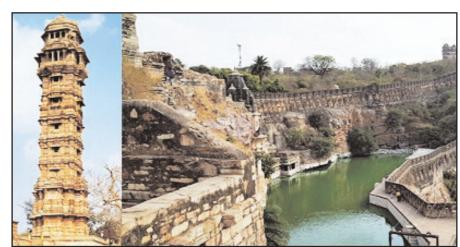
थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? में राजा की मालिन हूं।

माधों ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घूस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुढिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घूल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थर्क-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बडी सी चाबी दिखाई और बोला. यह चाबी देखों, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता। मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुढिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

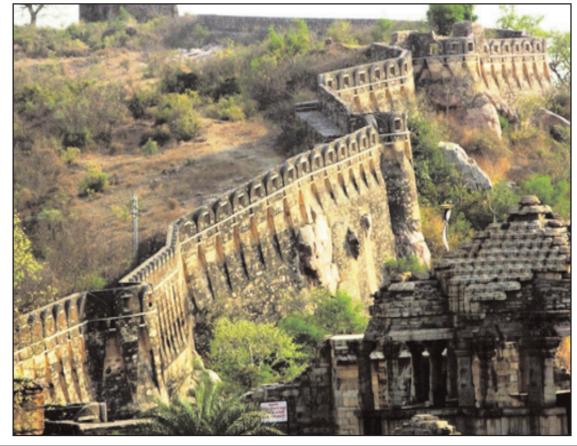
इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय



चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है,यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था. इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है
 कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौयौं
 सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का
 नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा
 गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, रमारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे. इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजों का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजों के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजों की निगरानी करते थे ट प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजों को खोला और बंद किया जाता था.

- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे किलका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पिद्मनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है. इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में
 आज भी 22 जलिनकाय मौजूद है. इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है.
 ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज
 भी लोग निवास करते है. उदाहरण के तोर पर
 चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
 यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके
- साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.



शोध कर पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में तलाशा जाए बीमारियों का कारगर उपचार

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को भी शामिल करने की मांग की गई है। यह बिल्कुल ठीक है कि ऐसा करने से देश की बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढावा मिलेगा और वे पहले की भांति फिर लोकप्रिय हो सकेंगी। सप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां जैसे आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी इत्यादि गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला होलिस्टिक हेल्थ सेंटर में ठहरे। तीन दिनों की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज्यादा सही रहेगा। पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दुरदराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहां आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं कुछ ही मल्टी स्पेशलिटी अस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अट्ट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बृटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं. जिसकी लागत कम होती है। खास बात यह है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियां अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं। कछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है, क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिए कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। इनमें गहन शोध होना ही चाहिए। यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा। इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावा करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर खारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियां जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं. खासकर जब वे आधनिक चिकित्सा के साथ एकीकत हों और उचित नियमन और गणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है। भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां हजारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियां सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधनिक चिकित्सा पद्धति तेजी से आगे बढ़ रही है. तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हजारों अत्यंत पढ़े-लिखे और समद्ध लोग आखिर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहां आकर महीनों रहकर, लाखों खर्च कर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है. विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भिमका निभाती हैं। ये पद्धतियां स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खचीर्ली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं।

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन



इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ २००५ का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया। समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा १० के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव ठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एक नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक

मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया। समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों



शिक्षा. व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहुविषयक सीखने लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चनौतियां क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएं हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहां कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढांचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बनियादी पाठ पढ सकते हैं, जो की गुणवत्ता असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी

रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच समस्या और समाधान क्षमताएं होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में परीक्षाएं अनुप्रयोग आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियां : शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्वपर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गणवत्तापर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से संबोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजद तकनीकी बुनियादी ढांचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दुरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कुलों में इंटरनेट की पहुंच और डिवाइस की पहुंच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क

परिवर्तन उच्च दबाव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमुलचुल परिवर्तन पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी संचालित शिक्षा को शामिल किया सकता है, जिससे पहुंच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सधारों से परे अभिनव समाधान। शुरूआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन

सीखने का संयोजन शैक्षिक

शिक्षा दुरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुंचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढा सकता है. विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों मानसिक भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिए, जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडल : क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमुलचुल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और

जिससे जुड़ाव और पहुंच बढ़

सकती है। स्कूलों में मिश्रित

टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त

बिखराव की ओर जाता विपक्षी गढबंधन

आईएनडीआईए में मची उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर ही शायद नीतीश कुमार ने उससे किनारा किया था। यह एक तथ्य है कि नीतीश कुमार ही आईएनडीआईए के निमार्ता-निर्देशक थे। उन्होंने इस गठजोड़ की पहल हिसार में 25 सितंबर 2022 को की थी। हिसार में चौधरी देवीलाल की जयंती के अवसर पर नीतीश कमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, सीताराम येचुरी, डी. राजा और ओमप्रकाश चौटाला आदि उपस्थित थे। उस समय विपक्षी दलों की दशा-दिशा कमोबेश वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से मेल खाती थीं। टीएमसी, सपा, आम आदमी पार्टी समेत कई दल कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को

के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प पर जोर दिया। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ सोनिया और राहुल गांधी से भेंट कर अपनी मुहिम को अंजाम तक पहुंचाया। जब छह महीने गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व रहस्यमय चुप्पी साधे रहा तो अंततः नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। पटना में प्रधानमंत्री पद के लिए किसी पार्टी के नेता को मनोनीत करने के बजाय सामृहिक नेतृत्व में कार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। नीतीश कुमार पीएम पद के लिए पहली पसंद थे, लेकिन वह कहीं गठबंधन के संयोजक न बन जाएं, इस भय से ग्रस्त कांग्रेस ने बेंगलुरु और मुंबई की बैठकों

की ओर से नीतीश कुमार के संयोजक बनने पर सवाल उठाकर विपक्षी एकता को विफल किया। जब गठबंधन को सक्रिय करने के लिए कोई कदम नहीं उठे तो नीतीश कमार उससे बाहर आ गए। एनडीए से इतर उनके द्वारा किया गया एक और प्रयोग असफल रहा था। यह प्रयोग 2015 के विधानसभा चुनाव के अवसर पर किया गया, जिसमें जदयू, राजद, सपा, जनता दल (एस) आदि की एकता कराकर कारगर विपक्ष बनाने का था। नए दल का नाम, नेता का चयन और चुनाव चिह्न आदि पर सवार्नुमित बन चुकी थी और यह तय हो गया था कि मुलायम सिंह यादव की अध्यक्षता में सपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरा जाएगा, लेकिन ऐन चुनाव के मौके पर सपा ने स्वयं को अलग कर लिया। अविश्वास, वैचारिक अंतर्विरोध एवं गला काट प्रतिस्पर्धा के चलते आईएनडीआईए की हालत पहले से भी खराब है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस को असफल मानकर

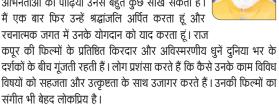
गठबंधन के नेतृत्व के लिए स्वयं को उपयुक्त माना है। सपा, एनसीपी, आप और राजद ने भी उनके नेतृत्व को स्वीकार्य माना है। वामपंथी दलों का ममता विरोध जगजाहिर है। बंगाल में वाम मोर्चा और कांग्रेस में घमासान जारी है। यहां इसका उल्लेख आवश्यक है कि सपा, राजद, एनसीपी, शिवसेना-यूबीटी, द्रमुक, टीएमसी, वाईएसआर कांग्रेस, जेडीयू, आप और यहां तक कि वाम दलों को छीना हुआ है। भाजपा एकमात्र दल है, जो अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं क्षेत्र बनाने में सफल रही है। विपक्षी गठबंधन के बीच ताजा विवाद उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र में अधिक है। पिछले लोकसभा चुनाव में पिता मुलायम सिंह से भी अधिक सीटें प्राप्त कर अखिलेश यादव का जोश सातवें आसमान पर है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा में कांग्रेस द्वारा उपेक्षित होकर वह पिता के पदचिह्नों पर चलते दिख रहे हैं, जो इस पक्ष में कभी नहीं रहे कि कांग्रेस उत्तर

प्रदेश में फले-फुले। यह मुलायम सिंह ही थे. जिन्होंने 1999 में सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया था। प्रारंभिक दिनों में लालू-नीतीश की जोड़ी ने भी बिहार में कांग्रेस को हाशिए पर पहुंचाने में कामयाबी हासिल की। बाद में लालू के लिए कांग्रेस अनिवार्य हो गई। आईएनडीआईए में खींचतान के बीच रामगोपाल यादव का यह वक्तव्य महत्वपूर्ण है कि राहुल गांधी गठबंधन के नेता नहीं हैं। संसद में भी सपा और कांग्रेस की राहें जुदा दिखती हैं। सपा और टीएमसी को अदाणी प्रकरण से ज्यादा महत्वपूर्ण संभल की घटना दिखती है। कांग्रेस द्वारा स्वयं को सेक्युलर एवं सामाजिक न्याय की एकमात्र पार्टी प्रचारित करना भी सपा, राजद सरीखी पार्टियों को अखर रहा है। महाराष्ट्र के घटनाक्रम ने गठबंधन की खाई को और चौडा कर दिया है। महाराष्ट्र सपा ने खुद को महाविकास आघाड़ी से अलग कर लिया है। महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने शिवसेना को भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक कहा है। इसके जवाब में शिवसेना-यबीटी नेता संजय राउत ने सपा को भाजपा की बी टीम करार दिया। हरियाणा से सबक लेकर आप ने दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर कांग्रेस के मंसबों पर पानी फेर दिया है। पंजाब में दोनों दलों में निरंतर कटुता बढ़ती जा रही है। बंगाल में अधीर रंजन चौधरी को अध्यक्ष पद से हटाकर कांग्रेस ने टीएमसी को जो संदेश दिए, वे असफल रहे हैं। दरअसल अपनी-अपनी जमीन खोने का डर सभी घटकों को है। इसीलिए लगभग सभी दल इस पर एकमत हैं कि गठबंधन का नेतत्व कांग्रेस के हाथों से निकले। यह उठापटक दशार्ती है कि बेमेल और अवसरवादी गठबंधन की उम्र लंबी नहीं होती। कांग्रेस सिर्फ अपने विस्तार के प्रति समर्पित दिखती है और यही मंसुबा क्षेत्रीय दलों को सशंकित किए हुए है। भविष्य में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों में टकराव तीव्र होता दिखे तो आश्चर्य नहीं

Social Media Corner

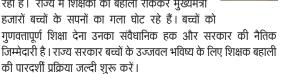
सच के हक में.

श्री राज कपूर सिर्फ एक फिल्म निर्माता ही नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक राजदूत थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं की पीढ़ियां उनसे बहुत कुछ सीख सकती हैं।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड की शिक्षा व्यवस्था की मौजूदा स्थिति किसी त्रासदी से कम नहीं है। पाकुड़ में 506 छात्रों के भविष्य की की जिम्मेदारी एकमात्र शिक्षक के भरोसे है। यह हकीकत शिक्षा को प्राथमिकता देने का दावा करने वाली हेमंत सरकार की खोखली घोषणाओं की भी पोल खोल रहा है। राज्य में शिक्षकों की बहाली रोककर मुख्यमंत्री



(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सर्दी में पैरों की अतिरिक्त देखभाल जरूरी

है। सर्दी, बर्फबारी और तेज हवाएं पैरों की त्वचा को सुखा कर देती हैं। इससे वे कमजोर पड़ कर अकड़ जाती है। ऐसे में अगर आप पैरों की किसी समस्या या मधुमेह आदि से पीड़ित हैं तो पैरों की स्थिति बदतर हो जाती है। सामान्य तौर पर भी सर्दियां आते ही वातावरण में नमी की कमी की वजह से पैरों की त्वचा रूखी और बेजान लगने लगती है। कई लोगों की एड़ियां फटने लगती हैं या पैरों में खुजली और इरिटेशन होने लगती है। इसके कारण कई बार चलने में भी परेशानी होने लगती है। इसलिए ऐसे मौसम में पैरों की अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। पैरों की देखभाल में घरेलु उपाय काफी कारगर साबित होते हैं। इन्हें आप घर बैठे अपना सकते हैं। अपने पैरों के प्रभावित हिस्से में जैतून का तेल लगाने से त्वचा को पोषण और ऑक्सीजन आपूर्ति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। जैतून के तेल को गुनगुना

र्दियों का मौसम आ गया कर पैर के तलबों की मालिश करने से पैरों की अकड़न दूर होती है। आप एक बाउल में थोड़ा जैतून का तेल लेकर उसे हल्का गर्म करें। अब आप इसमें लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की तीन-चार बूंदे मिक्स करें। आप इस ऑयल से अपने पैरों की मालिश करें। इससे आपको कुछ ही देर में बहुत आराम मिलेगा। जैतुन आयल में विटामिन-ई होता है और इसे लगाने से आपके पैर मुलायम और कोमल होंगे। आप रिलैक्स महसूस करेंगे। गर्म पानी में व्हाइट विनेगर डालें और फिर पांच मिनट के लिए पैरों को भिगोएं। अब आप जैतून के तेल की कुछ बूंदों को क्यूटिकल्स पर लगाएं और इसे लगभग 10 मिनट तक सोक होने दें। इससे पैर कोमल और मुलायम होंगे। जैतून का तेल पैरों की त्वचा को मॉइस्चराइज रखने में मदद करता है तथा आप इस तेल को एक जेंटल मॉइस्चराइजर के रूप में भी उपयोग कर सकते हैं। यह उन्हें फटने से बचाता है और डेड

स्किन को साफ करता है। यह आपके पैर के जोडों और मांसपेशियों को मजबूत भी बनाता है। सर्दियों में पैरों की त्वचा को नरम और मुलायम बनाए रखने के लिए नहाते वक्त पैर धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। लेकिन, गर्म पानी का इस्तेमाल हरगिज न करें, क्योंकि इससे पैर ड्राई हो सकते हैं, जिससे आपकी स्किन फट सकती है। गुनगुने पानी से ब्लड सकूर्लेशन बेहतर रहता है। इससे पैरों में मौजूद नसों का सिकुड़न कम होती है। इससे पैरों की सूजन तेजी से कम होने लगती है और पैरों को आराम मिलता है। सोने से पहले अपने पैरों की हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए सरसों या नारियल तेल को एक कटोरे में गुनगुना कर लें। इस तेल से पंजों और पैर के बाकी हिस्सों की आहिस्ता-आहिस्ता मालिश करें। इससे पैरों में ब्लड सकुर्लेशन तेज होगा, जिससे पैरों में गर्माहट आएगी और पैर सुंदर दिखेंगे। सर्दियों में पैरों की देखभाल के लिए हाइड्रोथेरेपी भी लाभदायक साबित होती है। इसके लिए आपको पहले ठंडे पानी में पैरों को 2 मिनट तक डुबो कर रखना होगा। फिर पैरों को 1 मिनट के लिए गर्म पानी में डुबोना होगा। ऐसा ही 15-20 मिनट तक करते रहें। फिर पैरों को तौलिए से पोछ कर मोजे पहन लें। सर्दियों में शरीर की एक्टिवटी कम होने की वजह से तलवे ठंडे हो जाते हैं और अगर आप रोजाना आधा घंटा वर्कआउट करते हैं, तो यह समस्या दूर हो जाती है। दोनों पैरों की उंगलियों के बल पर 1-2 मिनट तक खड़े हों, फिर धीरे-से अपनी एड़ियों पर वापस जमीन पर आएं। ऐसा 8-10 मिनट तक करें, जबतक आप सहज महसूस करें। बैठ कर दोनों पैरों के पंजों को घड़ी की सुइयों की तरह 15-20 बार घुमाइए। अपने पैर के पंजे की मदद से जमीन पर पड़ा कोई रुमाल या कपड़ा उठाने की कोशिश करें। सर्दियों में पैरों में गंदगी जमने से पैर मैले और गंदे दिखने लगते हैं।

सभापति में अविश्वास

भारत के संसदीय इतिहास में यह अभूतपूर्व कदम है। राज्यसभा के 60 सदस्यों ने सभापति जगदीप धनखड़ में, जो भारत के उपराष्ट्रपति भी हैं. विश्वास नहीं रह जाने की बात कही है। विपक्ष के इन सांसदों ने उन्हें पद से हटाने की मांग करने वाले एक प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर मतदान की नौबत आने की संभावना नहीं है और अगर ऐसा हुआ भी तो यह गिर जाएगा। लेकिन, मुद्दा वह नहीं है। लोकतंत्र के लिए जो चीज वाकई मायने रखती है और नुकसानदेह है, वह है सभापति और विपक्षी सदस्यों के बीच भरोसे का अभाव। विपक्ष ने धनखड़ के पक्षपाती होने के सबूत के तौर पर उनके द्वारा दी गई व्यवस्थाओं और उनके सार्वजनिक बयानों का हवाला दिया है। धनखड़ ने एक ऐसे स्थगन प्रस्ताव के विषय पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों को बोलने की अनुमित दी, जिसे उन्होंने 9 दिसंबर को खुद खारिज किया था। उनका यह निर्णय विपक्ष के इंतहाई कदम उठाने की आखिरी वजह बना। अन्य बातों के अलावा ये सदस्य यह पैटर्न देखते हैं कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की इजाजत नहीं दी जाती और धनखड़ सार्वजनिक रूप से सरकार के विचारों को विस्तार प्रदान करते हैं तथा विपक्ष के विचारों को झिड़कते हैं। अक्सर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष जैसे अराजनीतिक माने जाने वाले पदों के लिए कैरियर राजनीतिज्ञ, एकपक्षीय चुनाव के जरिये चुने जाते हैं। एक बार पद पर पहुंचने के बाद वे काफी हद तक लड़ाई-झगड़े से ऊपर रहते हैं। इसलिए राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकतंत्र के लिए एक दुःखद मोड़ को दशार्ता है। यह कोई संयोग नहीं कि यह सब भाजपा द्वारा विपक्ष का स्थान समेटने के सतत अभियान की पृष्ठभूमि में हो रहा है। सरकार की आलोचना को राष्ट्र विरोधी कृत्य के रूप में चित्रित किया जाता है और संस्थाओं व व्यक्तियों को अक्सर आक्षेपों के जरिए निशाना बनाया जाता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

www.thephotonnews.com Sunday, 15 December 2024

Why it's politically incorrect to be privileged

EVER since the Israeli invasion of Palestine entered its new chapter last year, I have been in touch with a friend living in West Bank, who runs a famous school there. We have known each other from our university days at Cambridge, where we did our PhDs together. While departing, I was gifted a lovely ceramic cup by her, emblazoned with elegantly swirling floral motifs rendered in earthly hues. The object has sat on my desk for the past five years, holding my stationery and, thereby, by imagination together, often reminding me of the school that my sole Palestinian acquaintance runs. Every time I have written or recorded a message of concern and prayer for her and her family, I have felt the language falling short of its purpose, even though it remains the fundamental means to communicate one's feelings.In our latest conversation, my friend assured me that she and her family were safe and away from the conflict zone. But she added a caveat: that the ongoing genocide and its escalating horrors have robbed her of any feeling of enjoyment of even the most basic privileges. Thus, having water, electricity, shelter and everything else has injected a permanent sense of 'guilt' in her, making her question whatever she possessesAnyone with even an iota of sensitivity cn relate with such a predicament, albeit from one's own context. We have, most unfortunately, reached a point in our evolution as a species where there is hardly anything that cannot potentially fall under the ambit of 'privilege'. Such are the increasing inequalities and inequities that now, even to breathe clean air or have a window with the view of a healthy landscape comes with a premium.

Consequently, over the last few years, the word 'privilege' itself has garnered an astonishingly bad reputation. Unless fully and repeatedly acknowledged, it has also ineluctably got associated with being 'politically incorrect'.

Tellingly, in my experience, an honest acknowledgement of one's wherewithal also doesn't necessarily guarantee the absence of negative criticism — such is the immorality automatically expressed by the term 'privilege'.

A fair amount of this criticism is rightly levelled at those in power, from authorities to institutions, who deny ordinary people the dignity to live. These establishments are more than often handsin-glove with discriminatory practices and atrocities of all kinds. Hence, the burgeoning critique of their offensive, politically incorrect actions is not only required but also the need of the hour. The protests in support of the Palestinians the world over are an effort in this direction, as are the boycotts by literary communities of Israeli cultural institutions complicit with the genocide. Increasingly, there are also calls cast in black-and-white: you are either with the Palestinians or not, and any kind of affinity with the Israelis fundamentally marks a betrayal of the larger cause, a debasing of political correctness.

While, in principle, there can be no doubt regarding the above, in reality, the idea of associations and the experience of relationality is frequently more complex, and ridden with contradictions. It is ironic, especially as an Indian citizen, that one of the most widely reported developments that directly pierces through this black-and-white reading comes

Since the end of the last year, thousands of Indian workers have been applying for jobs in Israel amidst persistent joblessness and the lack of opportunities back home. These openings have become possible because Israel suspended the work permits of scores of Palestinians after the beginning of the Gaza offensive. From carpenters to floor-tile fitters and plasterers to ironworkers.

The weakening Chinese economy needs a stimulus

China's third major challenge in 2025 is Donald Trump, who has vowed to impose 60 per cent tariffs on all imports.

CHINA's GDP growth slowed during the first three quarters of 2024, from 5.3 per cent to 4.7 per cent to 4.6 per cent, raising fears that the country would not achieve its annual growth target of around 5 per cent. But the latest data suggests that China's economy is finally turning the corner. Economic activity in China has been relatively weak since the Covid-19 crisis. This was not unexpected, at least not at first: three years of pandemic lockdowns strained household, corporate, and local-government balance sheets. Declining business confidence partly a response to a regulatory crackdown on finance, the property sector, and the platform economy—did not help matters.

In early 2021, when the US emerged from the worst of its pandemic lockdowns, American households quickly began spending the money they had accumulated. Chinese households, by contrast, continued to accumulate savings even after the lockdowns were over: between January 2020 and August 2024, household bank deposits in China swelled by \$9 trillion, with the wealthy accounting for a significant share. China's government introduced some supportive policies over this period, but in contrast to past disruptions, it refrained from implementing aggressive stimulus policies, owing to concerns about possible side effects. The massive stimulus package the government introduced after the 2008 global financial crisis spurred growth. However, it also fuelled a realestate bubble, drove up local-

government debt, and reduced investment efficiency. The government's calculations changed at the end of the third quarter of 2024, when it became clear that China's economy would need more help to lift its growth trajectory. In late September, People's Bank of China Governor Pan Gongsheng unveiled three measures: a reduction in In more good news, the surveyed urban banks' reserve ratio, a policy-rate cut, and the creation of monetary-policy instruments to support the stock market. Moreover, on October 12, Lan Fo'an, China's Finance Minister, announced that new fiscal measures would focus on addressing

local-governments' debt problems, stabilising the real-estate market, and supporting employment. He followed this announcement in early November with a \$1.38 trillion trillion debt-swap plan for local governments.Both Pan and Lan have suggested that more stimulus measures are in the pipeline, with Lan noting that China's central government still has plenty of room to increase its debt and deficits. But recent data on high-frequency economic indicators, which tend to be the quickest to respond to macroeconomic-policy changes, suggests that the government's actions began taking effect almost immediately. In October, total "social finance" (total financing to the real economy) was up by 7.8 per



cent year on year, and outstanding bank loans had increased by 7.7 per cent. Retail sales had risen by 4.8 per cent year on year, and by 1.6 percentage points from the previous month. The manufacturing purchasing managers' index reached 50.1, after three months of sub-50 readings, and increased again, to 50.3, in November.

unemployment rate dropped by 0.1 percentage points in October, to 5 per cent. Even the property market improved marginally, though land sales and real-estate investment remained weak. If these positive trends continue, GDP growth will probably

return to around 5 per cent in the fourth quarter of 2024. The outlook for 2025, however, is less clear. If China is to achieve 5 per cent GDP growth next year, assuming this is the government's target, policymakers will have to overcome three key challenges, starting with stabilising the property sector, which contributes about 20 per cent of GDP growthand accounts for 70 per cent of household wealth. The second challenge is local governments' balance sheets. A shortage of funds has lately been driving local authorities to cut spending, such as by reducing officials' salaries, and grasp for revenues, such as by chasing corporate back taxes and even detaining private entrepreneurs from other regions.

None of this is good for growth. The fundamental problem is that spending responsibilities now exceed fiscal revenues, which are no longer being bolstered by land sales and localgovernment investment vehicles. The central government must urgently transfer a significant amount of general-purpose revenue to local authorities. More fundamentally, China needs to reconfigure the balance of fiscal responsibilities across levels of government. The third major challenge that China will confront in 2025 is US President-elect Donald Trump, who has vowed to impose 60 per cent tariffs on all imports from China during his first year in office. Given that China's exports to the US account for 3 per cent of its GDP, such tariffs, and even much lower ones, would have a material impact on growth in 2025. The investment bank UBS, for instance, predicted that China's GDP growth would slowdown to 4 per cent in 2025. There has been much debate in China over whether the economy needs structural reforms or more macroeconomic stimulus. The truth is that it needs both. A decisive stimulus package, with a robust fiscal-policy component, must come first; this will make the biggest immediate difference.

But once the package is in place, the government should turn its attention to structural reforms, with a focus on boosting confidence among consumers, investors, and entrepreneurs. Over the past year, China's government has published several policy documents aimed at restoring confidence. But with market participants not fully convinced, it must go further, implementing — boldly and visibly — some of the measures it has announced, such as stronger protections for private enterprises. Reining in local officials' scrutiny of old tax records in search of missing payments would also go a long way toward strengthening business confidence.

PF a swipe away

ATM withdrawals to cut bureaucratic delays

THE Labour Ministry's initiative to enable Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) subscribers to withdraw funds directly from ATMs by 2025 is a landmark step toward simplifying social security. This reform exemplifies the integration of advanced technology with public service to enhance efficiency and accessibility. Currently, EPFO withdrawals are marred by procedural delays, taking up to 10 days for funds to reflect in bank accounts. The proposed PF withdrawal cards aim to eliminate such red tape, providing real-time access to funds. However prudence prevails with the capping of withdrawals at 50 per cent of the total balance, ensuring financial discipline and safeguarding long-term savings. The broader agenda under EPFO 3.0, which includes increasing contribution limits and converting provident fund savings into pensions, indicates the government's commitment to modernising the country's social security systems. This aligns well with India's



growing emphasis on digitisation and ease of living for its workforce, which has swelled by 70 million EPFO members since 2017.

In a related welcome step, the ministry is finalising a scheme for gig and platform workers, who often remain excluded from traditional employer-employee arrangements. The inclusion of this rapidly growing workforce in social security nets, with benefits like health coverage and financial aid, is a vital stride in formalising labour markets and addressing future workforce challenges.

These measures signal a shift toward a technologydriven welfare framework. By reducing human intervention and operational inefficiencies, the government underscores its commitment to improving citizen-centric services. While challenges like implementation hurdles and awareness gaps must be addressed, the potential benefits far outweigh them. Ultimately, this is not merely a technological upgrade

but a profound leap toward equity and convenience in labour welfare, fostering trust in public institutions and bolstering the workforce's resilience.

Musings on a book and a movie

TRYSTS AND TURNS: Both 'Autocrats' and 'Amaran' offer insights into authoritarian leadership, fear and unity

MY dear wife, who left this world when she was 84, used to bemoan the rigours of old age. My reaction to her lament was always the same — "What is the alternative?" I would ask. Death answered the query, while the one she left behind occupies himself by reading and watching movies on television. A book I read and a movie I saw last week absorbed my time and my attention. I write on my reflections on that book and the film. The ouster of the Syrian Strongman, Bashar al-Assad, by rebels in his own country prompted me to write this article. My neighbour Mona Roy had sent me a book titled "Autocrats — Charisma, Power and their Lives" written by her family friend Rajiv Dogra, a distinguished Indian Foreign Dogra lists some characteristics of an autocrat Service officer, now retired. Dogra is a scholar and a writer. Two of his previous (he has written seven) books "Where Borders Bleed" and "Durand's Curse" are a must 2. Lack of empathy for others. read. When reading his latest book "Autocrats", I got the 3. Need for excessive admiration. uneasy feeling that he had Narendra Modi in sight. But Rajiv is a trained diplomat, unlike me, a policeman who served for four full years as Ambassador without any grounding in diplomacy.

Incidentally, Rajiv Dogra was Ambassador to Romania, simultaneously accredited to Albania and Moldova, as I also was a few years earlier. The intelligentsia in Romania recognised him as a scholar. He was honoured with an honorary doctorate by the University of Oradea and made an honorary professor in the University of Targoviste.Rajiv's assertion that the "word authoritarian does not convey the immense harm that an all-pervasive atmosphere of fear does to a society" attracted my attention. Since such an element of fear does prevail today in the minds of the minority population of our beloved country, I read his book with more care than normal. The book had a profound effect on me and I would recommend that it be read by all compatriots who think and question. The modern authoritarian's cult of personality, for instance, can be compared to that of the ancient Roman emperors, like Nero and Caligula, who were deified by their compatriots. In the 20th century, Benito Mussolini of Italy had his image imprinted on every bar of soap so that none would or could forget him

even in the bath. I did not find any reference to Modi in the book. Was that diplomacy at work? Or, did the author want his readers to draw their own conclusions? He does mention Indira Gandhi, "who did not flinch at anything to maintain herself in power even if her actions proved a danger to democracy."

which "should be taken as a sign of worry":

- 1. Belief that he or she is special and unique.

- 4. Obsessive sense of self-importance.

Rajiv mentions many world leaders through the ages with autocratic tendencies. Some could even be described as tyrants or dictators, but all were autocrats. Hitler, of course, leads the pack, as does Mussolini. On the other end of the scale is Lee Kwan Yew of Singapore, whose balancing act in a

camouflaged dictatorship, earned him more plaudits than curses. Yet, he detained for two years many political opponents and allowed only one party, one newspaper, one trade union and one language. Rajiv concludes that "the quest for a benevolent, all-performing dictator has more often than not led to a bitter dead end."That there are many similarities that can be listed in the actions taken by strongmen in the course of history is an accepted conclusion that readers will draw on reading "Autocrats". The author has meticulously studied their doings and their differing personalities and family backgrounds. The facts will fascinate students of history

and politics, alike. Even cursory readers like me will While mulling over the answers to my own questions, I benefit from the knowledge that the book so lucidly disseminates. Applying this knowledge to present-day India and specifically Narendra Modi, I would not place him in the slots allotted to tyrants and dictators. He is



authoritarian alright. So was Indira Gandhi. Does India need an authoritarian leader to steer our democracy? My view is it does. What I worry about is the spread of fear and divisiveness in a multi-religious, multi-cultural society that has been spawned by the present regime. Will that lead the country to prosperity and greatness? I harbour serious doubts on this score. Of course, time alone will tell. But can the country afford the price it is bound to pay at the end? Can the caste divisions, embedded in the culture of the majority, be surmounted so that the 80 per cent-strong majority becomes one, as intended?

found that my eyesight would not allow me to read for more than three hours at a time. My need to keep my mind occupied led me to the television. The fine print of the written word is substituted by pictorial

representations of life on television. I found a movie titled "Amaran" made in Tamil Nadu by leading movers of the state's film industry. I saw the film dubbed in English. I could relate to the script and

the story because it was based on the courage and devotion to duty of an army officer, Major Mukund Vardharajan of the Rajput Regiment, seconded for duty to the 44 Rashtriya Rifles, which operates mainly in Jammu & Kashmir to keep terrorists in check. My friend Rahul Bose, the actor, had a big part to play in the movie, but the principal character was a Hindu Tamilian officer married to a Malayali Christian girl, whom he had met while they were students in Vellore Christian College. Their travails in getting their respective parents to consent to an

inter-faith union was compounded by the fact that the mothers of both the boy and the girl were not happy with the protagonist's choice of a career in the army.

The rapport of the officer with his own men was built on his determination to lead them personally in battle, unlike the Duke of Plaza Torro, "who led his regiment from behind whenever there was any fighting."

loved the film and the message of patriotism, true qualities of leadership as well as the inter-religious amity it exuded. Readers should see it. And I wish that my country's acknowledged leader, PM Modi, sees it and recommends it to his faithful followers.

French economist Thomas Piketty calls for more detailed income tax data from India

NEW DELHI. Calling upon the Indian government to release detailed income tax data, especially details regarding the billionaires or richest 100 persons in the country, French economist Thomas Piketty on Friday said there has been a deterioration in the "transparency and quality of information" from over six decades ago. Piketty, who is co-director at World Inequality Lab, suggested levying wealth and inheritance tax on the rich in India, which in turn, would help fund higher expenditure on health and

The suggestion to levy a higher tax on the rich was, however, countered by Chief Economic Advisor V Anantha Nageswaran, who said a higher tax rate could result in flight of capital. The CEA said for the average aspirational Indian, the data showing that 248 million people escaped multidimensional poverty between 2014 and 2023, matters much more than the number of billionaires in the country. "Reduction in poverty, not inequality, is the litmus test of inclusive growth," he said. Piketty said he has worked a lot with the income tabulations from many countries. "But, it is quite a unique situation of India, which is a deterioration in the transparency and quality of information over time. Income tax tabulations that we have today...are less detailed than what we had in the 1960s and 1970s. This is not saying that in the '60s, '70s, there was no tax evasion...but if you don't publish data, how are we going to be able to improve the situation? I am all for discussing to improve our estimates, but please be more transparent about the working of the tax system in India," Piketty said at a panel discussion on 'Inequality, Income Growth and Inclusion' organised by the Delhi School of Economics and think-tank Research and Information System for Developing Countries. Piketty, who is also the professor of Economics and Economic History at the School for Advanced Studies in the Social Sciences and the Paris School of Economics, said whatever be the imperfection of the data that is there presently, the conclusion is that India is a very unequal country, adding that it can reduce poverty faster by having less inequality. "I am asking you a simple question — how much income tax was paid by the top billionaires over the past 10 years? If you take the top 100 richest individuals in India — I am not asking for names — but just give us the average for the top 100 richest taxpayers. From what I know, from the top 100 richest taxpayers are that the past the latest the state of the all the data I have, the income that they report to the income tax system is 0.01 per cent of their wealth. So you can increase your tax rate from 43 per cent to 70 per cent or 99 per cent...but if the income that they report is a really small fraction of their wealth, that's not going to matter," he said.

Sebi proposes allowing retail participation in algo trading

NEW DELHI. The Securities and Exchange Board of India (SEBI) on Friday proposed to review the existing regulatory framework on algorithmic trading (algo trading) to facilitate participation of retail investors. Algo trading refers to orders generated using automated execution logic. Such trading provides significant advantages of timed and programmed order execution."There has been an increasing demand for algo trading by retail investors. In order to facilitate participation of retail investors in algo trading, it has been decided to review and refine the existing regulatory framework to ensure proper checks and balances, to safeguard investor interest as well as integrity of the market," SEBI said in a consultation paper.At present, algo trading is limited to institutional investors, who have Direct Market Access (DMA) facility. DMA is used to describe clients / investor accessing the market directly using Computer to Computer Link (CTCL) software of a trading member and routing the orders through the trading member's infrastructure. The regulator has proposed to facilitate participation of retail investors in algorithmic trading through stock brokers who have obtained requisite permission of the stock exchange for each algo.

All algo orders shall be tagged with a unique identifier provided by the stock exchange in order to establish audit trail and the broker shall seek approval from the Exchange for any modification or change to the approved algos or systems used for algos," the draft paper said.

Gold rally may slow down in 2025: WGC

NEW DELHI. Gold prices are set to rise more slowly in 2025 after a record-breaking run this year, according to the World Gold Council.

Bullion is up more than 30% so far in 2024, but gains next year will likely be tempered by variables like growth and inflation, the WGC said. Possible trade wars in US President-elect Donald Trump's second term and complicated interest-rate outlooks may spill over into subpar economic growth, hurting demand from investors and consumers, the industry association said in its 2025 outlook report released on Thursday."All eyes are on the US. Trump's second term may provide a boost to the local economy but could equally elicit a fair degree of nervousness for investors around the world, it said.Bullion's rally in the early part of 2024 was driven by large purchases by central banks, especially the People's Bank of China and others in emerging markets. It got a further boost from the Federal Reserve's recent monetary easing and haven demand during periods of heightened geopolitical tensions including wars in West Asia and Ukraine. However, gains have stalled due to a rally in the dollar following Trump's election win.

Some banks are still bullish on the prospects of the precious metal, currently trading near \$2,700 an ounce, next year. Goldman Sachs Group is forecasting it will get to \$3,000 by the end of 2025, while UBS AG sees \$2,900.

Switzerland cancels 'most favoured nation' status to India over Nestle ruling

NEW DELHI. The Swiss government has suspended the most favoured nation status (MFN) clause in the Double Taxation Avoidance Agreement (DTAA) between India and Switzerland, potentially impacting Swiss investments in India and leading to higher taxes on Indian companies operating in the European nation. According to a December 11 statement by the Swiss finance department, the move follows the Supreme Court of India last year ruling that the MFN clause doesn't automatically trigger when a country joins the OECD if the Indian government signed a tax treaty with that country before it joined the organization. India signed tax treaties with Colombia and Lithuania that provided tax rates on certain types of income that were lower than the rates it provided to OECD countries. The two countries later joined OECD.Switzerland in 2021 interpreted that Colombia and Lithuania joining the OECD meant a 5 per cent rate for dividends would apply to the India-Switzerland tax treaty under the MFN clause, rather than 10 per cent as outlined in the agreement.But post suspension of

the MFN status, Switzerland will from January 1, 2025, levy a 10 per cent tax on dividends due to Indian tax residents who claim refunds for Swiss withholding tax and for Swiss tax residents who claim foreign tax credits. In the statement, the Swiss Finance Department announced suspension of the application of the MFN clause of the protocol to the agreement between the Swiss Confederation and the Republic of India for the avoidance of double taxation with respect to taxes on income.Switzerland cited a 2023 ruling by Indian Supreme Court in a case relating to Vevey-headquartered Nestle for its decision to withdraw the MFN status.

This means that Switzerland will tax dividends that Indian entities will earn in that country at 10 per cent from January 1, 2025. According to the statement, in 2021, the Delhi High Court in the Nestle case upheld the applicability of the residual tax rates after taking into account the MFN clause in the double taxation avoidance treaty. However, the Indian Supreme Court, in a decision dated October 19, 2023, reversed the lower court's decision



and concluded that, the applicability of MFN clause provided "was not directly applicable in the absence of 'notification' in accordance with Section 90 of the Income Tax Act". Commenting on the decision of Swiss authority decision, Nangia Andersen M&A Tax Partner Sandeep Jhunjhunwala, said the unilateral suspension of application of the MFN clause under its tax treaty with India, marks a significant shift in bilateral treaty

dynamics."This suspension may lead to increased tax liabilities for Indian entities operating in Switzerland, highlighting the complexities of navigating international tax treaties in an evolving global landscape," he said.It also underscores the necessity of aligning treaty partners on the interpretation and application of tax treaty clauses to ensure predictability, equity, and stability in international tax framework, Jhunjhunwala said.

KM Global, Tax Partner, Amit Maheshwari, said that the main reason behind the decision to withdraw MFN is of reciprocity, which ensures that taxpayers in both countries are treated equally and fairly."Swiss authorities announced in August 2021 that based on the MFN clause between Switzerland and India, the tax rate on dividends from qualifying shareholdings would be reduced from 10 per cent to 5 per cent, effective retroactively from July 5, 2018. However, the subsequent Supreme Court ruling in 2023 contradicted the same,"

Mobikwik, Vishal Mega Mart IPOs see massive investor response as primary market closes 2024 strong

NEW DELHI. The primary market is closing calendar year 2024 with a bang as two of the most awaited initial public offerings (IPOs) garnered a blockbuster response from investors.

While the initial share sale of fintech firm Mobikwik was subscribed more than 119 times, the offering of supermart chain Vishal Mega Mart, which launched a mega issue of Rs 8,000 crore, was subscribed little over 27 times.In the Mobikwik IPO, the portion set aside for retail investors is subscribed 134.67 times while the portion reserved for Qualified Institutional Buyers (QIB) was booked 119.50 times. The quota reserved for Non Institutional Investors (NII) was booked 108.95 times. For Vishal's IPO, QIB's led the charge as this category's quota was booked nearly 81 times.

The enthusiasm shown by investors for the two IPOs is in line with interest shown by them for other IPOs



the IPO market saw a total of 76 listings (as of December 13, 2024). While 58 IPOs delivered positive listing gains, 18 IPOs experienced negative listing day returns. Recent data shared by Prime Database stated that 75 Indian companies raised over Rs 1.5 lakh crore through mainboard IPOs. This is a big jump given 57 IPOs had raised Rs jump given 57 IPOs had raised Rs 49,435 crore in 2023 and 40 IPOs has raised Rs 59,301 crore in 2022.Himani Shah, Co-Fund Manager, Alchemy

Capital Management said that companies in the power, energy, and industrial sectors performed well, driven by anticipated increases in capital expenditures. "Additionally, many of these companies offered some valuation upside for investors. When company valuations account for potential upside, leaving no room for investors, they often get discounted or

corrected...2025 is likely to see strong IPOs in industrials, capital goods, and IPOs in industrials, capital goods, and renewable energy sectors, as these are driving India's growth story," Added Shah. The biggest IPO of this year and the biggest so far in India's capital history was of Hyundai Motor India Ltd. The Rs 27,870 crore IPO was subscribed 2.37x and listed at a discount of 1.33%. The other big IPOs were launched by Swiggy, NTPC Green and Bajaj Housing Finance.

VIL to invest around Rs 55,000 crore to strengthen 4G, 5G network rollout

NEW DELHI. Vodafone Idea Limited (VIL) on Friday announced that it plans to invest nearly Rs 50,000-Rs 55,000 crore over the next three years to expand its 4G network across 17 priority circles. The telco, in an investor presentation, also revealed plans to deploy its 4G network on the sub-GHz 900 MHz band across 16 circles, aiming to improve coverage and enhance the user experience. This capital expenditure (capex) will also support the rollout and expansion of VIL's 5G network in key

urban areas and regions.
For the first half of FY25 (H1FY25), VIL's capex stood at over Rs 2,000 crore, resulting in a 14% increase in 4G data capacity and expanding its 4G population coverage by 22 million. The company expects its capex in the second half of



Pharma market rebounds, asthma drug top seller

NEW DELHI. After months of sluggish Sun Pharma continued to lead the pack sales, strong demand for derma and cardiac drugs drove the organised pharma retail market to double-digit growth in Nov, with heavy pollution in several parts of the country boosting During the month, both acute - mainly Foracort sales. The medication, used for asthma and respiratory issues, topped the market in Nov with sales of Rs 82 crore, according to the latest data culled by TOI from IQVIA.Foracort assumed the top slot in Nov with a growth of 2%, while antibiotic Augmentin ranked second with a growth of 9% registering Rs 76 crore sales, and antidiabetic therapy Glycomet GP, ranked third, was almost flat at Rs 69 crore.

In terms of therapies, urology led the growth with 18% rise, while the derma, cardiac, and pain-relief segments followed with growth rates of 16%, 13%, and 13%, respectively.

Further, pain-relief medication Zerodol SP posted a growth of 22%, while others which grew over 20% month-onmonth include Ryzodeg, Rosuvas, Cilacar, Rybelsus and Duphalac.

with a share of 8% in the overall pharma retail market valued at Rs 2,28,059 crore. Cipla and Dr Reddy's also increased their share month on month.



painkillers and anti-infectives - and chronic medication, those prescribed for long-term ailments, posted a double-digit growth of 11% each.

'After a lull for the last three months, industry volumes reported positive growth of 3.5%. Rebound in growth for anti-infectives was led by key molecules like amoxicillin+clavulanic acid and ceftriaxone,

pantoprazole+domperidone combination was main growth driver for gastro-intestinal therapy, cough syrups, formoteral+budesonide and levocetirizine+montelukast drove growth in respiratory therapies," an

analyst from ICICI said.Domestic companies registered growth of nearly 11%, whereas MNCs grew just over 10%. In 2025, the market will continue to grow by high-single digits, led by price increase and new launches, while volume growth remains muted, an analyst from HSBC told TOI. "In 2025, we assume Indian companies will start their journey in GLP-1 (Glucagon-

like peptide-1) drugs with the launch of generic liraglutide," he added.GLP-1 is a hormone that helps control blood sugar levels and plays a role in weight management. Globally, MNCs including Novo Nordisk and Eli Lilly have launched blockbuster drugs for obesity and diabetes, which are expected to be launched in India over the next few years.

FY25 (H2FY25) to be nearly Rs 8,000 crore.

Currently, Vodafone Group holds a 22.56% stake in VIL, while the Aditya Birla Group owns 14.76% and the Indian government is the largest shareholder with a 23.15% stake. VIL remains the only private telecom service provider in India that has yet to launch its commercial 5G network. In contrast, its competitors, Reliance Jio and Bharti Airtel, have already rolled out 5G services. This delay in 5G rollout has led to customer churn. The company has, however, announced plans to launch its commercial 5G services in March 2025, beginning with Delhi and Mumbai.VIL has reduced its losses to Rs 7,176 crore in Q2FY25 as against Rs 8,738 crore in the same quarter last year. During the quarter, its mobile average revenue per user (ARPU), excluding machine-to-machine connections, grew by 7.8% QoQ, rising from Rs 154 in the April-June period to Rs 166.

Plans to deploy 4G network across 16 circles

The telco, in an investor presentation, also revealed plans to deploy its 4G network on the sub-GHz 900 MHz band across 16 circles, aiming to improve coverage and enhance the user experience. This capital expenditure (capex) will also support the rollout and expansion of VIL's 5G network in key urban areas and regions.

Buy On Dips Strategy Working Well In Indian Stock Market Amid Sharp Rebound

The Nifty IT index reached a new high and rallied around 3 per cent during the week after US inflation data met expectations, boosting hopes for a Fed rate cut next week.

Mumbai. The surge in the Indian stock market on Friday helped the Indian benchmark indices end the week on a positive note. A strong 2,000-point rebound from the lows suggests that the buy-on-dips strategy is working well in the market, experts said on Saturday.

With inflation coming within the RBI's tolerance level and an expectation of further ease in food prices on account of seasonal corrections in vegetable prices, it could build up the expectation for ease in monetary policy in February," said Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services.On the last trading session this week, Nifty witnessed a sharp recovery of



more than 2 per cent from day's low, rebounding from a significant dip earlier in the session, to close with gains of 220 points at 24,768 (+0.9 per cent). Buying in FMCG, IT and banking stocks supported the recovery, even as broader market sentiment remained cautious."The intraday sell-off in Indian equities followed weakness across Asian markets, which posted steep losses amid a stronger dollar, rising US Treasury yields and continued skepticism over China's economic revival," said Siddhartha Khemka from Motilal Oswal Financial Services Ltd. The lack of clarity in China's stimulus plans weighed on metal stocks, dragging the Nifty Metal index down by 0.7 per cent. On Friday, Sensex was up 843.16 points or 1.04 per cent, at 82,133.12. During the session, BSE's

benchmark made an intra-day high of 82,213 after recovering from a low of 80,082.Midcap and smallcap stocks underperformed compared to largecaps. Nifty midcap 100 index closed at 58,991, down 30 points or 0.05 per cent. and the Nifty smallcap 100 index closed at 19,407, down 59 points or 0.30 per cent.

According to experts, a gradual recovery in IIP and core sector data is pointing towards a better H2 earnings performance compared to subdued H1 FY25. Currently, it is believed that FII selling has subsided, at least in the short to medium term, which will add further impetus to the sentiment, they added. The Nifty IT index reached a new high and rallied around 3 per cent during the week after US inflation data met expectations, boosting hopes for a Fed rate cut next week.Meanwhile, gold witnessed a sharp sell-off as profit booking intensified following mixed signals from US economic data. MCX Gold tumbled from Rs 79,000 to Rs 77,450. The current weakness suggests a potential trading range of Rs 76,000- Rs 78,000 in MCX, with the short-term outlook remaining cautious amid ongoing market volatility.

Haryana cops use tear gas, water cannons as farmers try to march to Delhi

Delhi on Saturday, marking their third attempt to enter the capital to press the Centre for various demands, including a legal guarantee for a minimum support price (MSP). However, Haryana Police fired tear gas shells and water cannons on them at the Shambhu border (Haryana-Punjab), stopping them from proceeding further. Visuals showed farmers holding flags as cops used water cannons and tear gas on them. Ambala's Superintendent of Police told the farmers that they should get permission from the authorities to match towards Delhi. However, farmers urged the authorities not to block them, with one farmer leader requesting not to "suppress their voices", news agency ANI reported.

"... if you want to go to Delhi, you should get proper permission and once you get the permission, we will allow you to go. There was a hearing in the Supreme Court yesterday... Instructions have been given to hold a meeting... The next date of the meeting is December 18. We appeal to you to sit here peacefully and follow the rules," Ambala SP said to protesting farmers.

out the two-faced behaviour of the government. "On one hand, the government is saying that we are not stopping the farmers, but on the other hand, they are using tear gas and other things. It is being treated as if it is Pakistan border. When leaders go to Delhi to protest, do they take permission?...Farmers only want MSP for their crops...We will always support the farmers. The government should fulfill its promises," he was quoted as saying by ANI.Amidst the ongoing protest, to prevent disruption, internet services in parts of Ambala have been suspended from 6 am on December 14 until December 17.Earlier in the day, farmer leader Sarwan Singh Pandher questioned the government's reasoning for preventing 101 farmers from marching on foot, deeming it unjustified. He also reiterated the demand for the government to initiate talks, emphasising the urgency of addressing their grievances to prevent an escalation of the protests. The farmers' agitation, which began on February 13 at



the Shambhu and Khanauri borders between Punjab and Haryana, is rooted in demands including a legal guarantee for Minimum Support Price (MSP) on crops. The protest gained further urgency after Jagjit Singh Dallewal, a prominent farmer leader, began a fast-unto-death on November 26. His deteriorating health has become a focal point of concern for both protesters and leaders, with reports indicating that he has lost 14 kilograms since his hunger strike began. On Friday, December 13, farmer leader Rakesh Tikait visited Dallewal at the Khanauri border to

show solidarity, calling for the unity of all farmer organisations to press the government for a resolution, news agency PTI reported. Tikait hinted that this time, instead of surrounding Delhi at its borders as in the previous agitation against the now-repealed farm laws, the farmers might adopt a strategy of encircling the capital from the Kundli-Manesar-Palwal (KMP) expressway. The situation escalated earlier when the farmers' attempts to march towards Delhi were met with tear gas shelling by

Haryana police. The clashes resulted in injuries, forcing the protesters to suspend their previous marches. Farmer unions also delayed their foot march due to concerns over Dallewal's critical health condition. Addressing questions about the risks posed to Dallewal's life, Pandher remarked that while no one wants to lose a family member, the farmers are fighting for a resolution to their plight, which has driven many to suicide. He criticised the government's alleged indifference to the issues, stating that the protest would continue peacefully but with firm resolve.

Delhi Schools Receive Bomb Threats For 2nd Consecutive Day, Probe On

Again Delhi Schools including DPS RK Puram, Ryan International School, Vasant Kunj received a bomb threat email," Delhi Police said.

New Delhi. A day after over 30 schools in the national capital received bomb threats, several schools in Delhi, received similar threat emails on Saturday, Delhi Police said.

Today again Delhi Schools including DPS RK Puram, Ryan International School, Vasant Kunj received a bomb threat email," Delhi Police said. According to the police a group mail was received by the schools at 6:12 am today.

On Friday, South East Delhi Deputy Commissioner of Police (DCP) Ravi Kumar Singh said that as many as 30 schools across Delhi received hoax bomb threat emails. The DCP said that the investigation into the fake threats revealed that the e-mails sent to the schools had been generated outside the country. Upon receiving the information, schools



were evacuated and the Bomb Disposal Squad carried out checks at the locations.

The threatening emails raised concerns among parents and staff, though the police assured that investigations are ongoing and safety remains their priority. No explosives or hazardous materials have been found in any of the schools so far. This is not the first instance of such threats disrupting schools in the national capital, underlining the need for robust security protocols. The schools that received the threats on Friday, included the Bhatnagar Public School in Paschim Vihar, Cambridge School in Srinivaspuri, Delhi Public School in East of Kailash, and Delhi Public School in Defence Colony. Earlier, over 40 schools in the national capital received bomb threats via e-mail demanding a ransom of USD 30,000. This email came on December 8 at around 11:38 pm.

Former Delhi Chief Minister and AAP supremo Arvind Kejriwal on Friday voiced serious concerns about recurring bomb threats targeting schools in the national capital. Kejriwal questioned the potential psychological and academic impact on children, saying such incidents could disrupt their studies and wellbeing if they continue unabated. Earlier on November 19, the Delhi High Court instructed the Delhi Government and Delhi Police to develop a comprehensive action plan, including a detailed Standard Operating Procedure (SOP) to address bomb threats and related emergencies. The court set a deadline of eight weeks for the completion of these directives.

Kiren Rijiju's dig at Congress: They avoided roads near border to stop encroachment

NEW DELHI. While participating in a debate on the 75th anniversary of the adoption of the Indian Constitution, Union Parliamentary Affairs Minister Kiren Rjiju on Saturday claimed that Congress did not want to build proper roads in the border areas as they feared that the initiative could facilitate the passage of army personnel from the neighbouring country into the frontier state."The former Defence Minister said in the Rajya Sabha that I am the Defence Minister of the country and I have no hesitation in saying that our Congress government had set a policy that roads should not be built in border areas. If roads are built, China will come through the same route and occupy our land: Parliamentary Affairs Minister," Rijiju said



while quoting a former Defence Minister of India. In his speech, the Union Minister also took a veiled jibe at the opposition, saying that while India has given equal voting rights to all, some claim that minorities have no rights in the country.

The parliamentary affairs minister also cautioned that "our words and actions should not diminish the image of the country in the world fora". India not only provides legal protection to minorities, it also has a provision for affirmative action to protect their interests, the minister asserted. Rijiju said successive governments worked for the welfare of minorities. "The Congress has also done that, I am not undermining its role."Rijiju was the first speaker on the second day of the debate in the Lok Sabha on 75 years of the Constitution's adoption.

Gangster wanted in doublemurder case injured in encounter in UP, succumbs later

NEW DELHI.A 39-year-old gangster died following an encounter with police in Uttar Pradesh's Meerut district in the early hours of Saturday, December 14.

According to the police, Anil alias Sonu Matka, a known associate of the Hashim Baba gang in Delhi, was critically injured in the encounter with a joint team of UP STF and Delhi Police Special Cell. He succumbed to his injuries during treatment. Matka was wanted in connection with several crimes in Delhi and Uttar Pradesh, including the killings of a man and his nephew



in the national capital's Farsh Bazar area and was also carrying a bounty of Rs. 50,000.

The encounter broke out in the early hours of Saturday in Merrut's TP Nagar area after the police received input about his location. In the encounter, Sonu Matka was critically injured and died during treatment, police said. After the encounter, the police seized two sophisticated pistols, 10 live rounds and a bike from Sonu Matka.

The encounter took place in the jurisdiction of TP Nagar police station. The joint operation was conducted by the Special Task Force (STF) of the Uttar Pradesh Police and the Delhi Police's Special Cell," Additional Director General of Police (STF) Amitabh Yash was quoted as saying by news agency PTI. The officer added that the Baghpat native was involved in numerous cases of robbery and murder in both Uttar Pradesh and Delhi.

ISRO Achieves Significant Milestone For Gaganyaan Mission

New Delhi. The Indian Space Research Organisation (ISRO) announced that it has reached a significant milestone in the Gaganyaan Programme, with the first solid motor segment moved from the production plant to the launch complex. The space agency said, "India's human spaceflight dreams are taking shape!"In a post on the social media platform X, ISRO stated, "A significant milestone for the Gaganyaan Programme! The first solid motor segment has been moved from the production plant to the launch complex, marking a key step towards the HLVM3 G1 flight.'

In September, ISRO Chairman S Somanath said that efforts were spaceflight programme, Gaganyaan, by the end of this year." Gaganyaan is ready for launch; we are trying to launch it by the end of this year," Somanath had said. The Gaganyaan Programme, approved in December 2018, envisages human spaceflight to Low Earth Orbit (LEO) and the establishment of technologies required



for a long-term Indian human space exploration endeavour.

underway to launch India's first human On 18 September, the Cabinet approved Key technologies for docking, the Chandrayaan-4 mission to the Moon. This mission aims to develop and demonstrate technologies to return to Earth after a successful lunar landing, as well as collect and analyse Moon samples on Earth.The Chandrayaan-4 mission will achieve foundational technologies and capabilities needed for an eventual Indian landing on the Moon by 2040.

Moon (planned by 2040) and a safe return to Earth.

undocking, landing, safe return, and lunar sample collection and analysis will be demonstrated. The central government's expanded vision for the Indian space programme during the Amrit Kaal includes an Indian Space Station (Bharatiya Antariksh Station) by 2035 and an Indian landing on the

Attention Seeking Divas...": Mahua Moitra's Dig At DY Chandrachud New Delhi. TMC MP Mahua Moitra

Officials said that till date, 573 projects worth Rs 523 crore have been sanctioned, with Rs 960 crore transferred to the **Delhi Development Authority for the** programme implementation.

accused the BJP-led Centre on Friday of "bleeding the Constitution from a thousand cuts" and said it is crystal clear that the political executive has systematically eroded democracy" over the last 10 years.

Participating in a debate in the Lok Sabha on 75 years of the Constitution, Moitra asserted that the need of the hour is to ensure that the idea of India survives in its purest form. For a significant part of her speech, the Trinamool Congress MP trained her guns on

former chief justice of India D Y Chandrachud, without naming him, and said what troubles the opposition is that some members of the higher judiciary appear to be doing their best to compromise the independence and integrity of the country's constitutional



The outgoing CJI waxed eloquent on how the right to bail has been granted during his tenure.... From A for Arnab to Z for Zubair, his alphabets (sic) seem to be abbreviated because it did not include G for Gulfisha Fatima, did not include H for Haney Babu. did not include K for Khalid Saifi, did not

include S for Sharjeel Imam, U for Umar Khalid and countless others," she said.Moitra said the former CJI made it a point to state that the Supreme Court is not meant to act like a political opposition. "We in the opposition do not need the Supreme Court to do our job. We are not asking it to (do so) but what troubles us is that some members of the higher judiciary appear to be doing their best to compromise the independence and integrity of our constitutional courts," she said. Moitra also apparently criticised Chandrachud for hosting Prime Minister Narendra Modi at his

residence during the Ganapati festival."I do not think the framers of our Constitution ever imagined a scenario where judges would rely on private conversations with the god to write judgments rather than on objective logic, on reasoning, on law and on the Constitution," the TMC MP said.

Paracetamol May Raise Heart, Kidney Related Complications In Elderly: Study

New Delhi. Paracetamol, a common overthe-counter medication, may increase the risk of gastrointestinal, heart- and kidney-related complications among adults aged 65 and above, a new study has found. Taken commonly for treating mild-to-moderate fever, paracetamol is also the first drug recommended for treating osteoarthritis -- a chronic condition causing pain, stiffness and swelling in the joints due to wear-and-tear -- as it is considered Effective, relatively safe and accessible. However, some studies have provided evidence to contest the effectiveness of paracetamol in relieving pain while others have shown increased risks of gastrointestinal side effects, such as ulcers and bleeding, from prolonged use.

The latest study, conducted by researchers from the University of Nottingham, UK, found that paracetamol use was linked to a 24 per cent and 36 per cent increase in risk of peptic ulcer bleeding (bleeding due to ulcer in the digestive tract) and

lower gastrointestinal bleeding,

respectively. Taking the drug may also increase the risk of chronic kidney disease by 19 per cent, heart failure by 9 per cent and hypertension by 7 per cent.

"This study shows a significant incidence of renal, cardiovascular and gastrointestinal side effects in older people, who are prescribed acetaminophen (paracetamol) repeatedly in the UK," the authors wrote in the study published in the journal

Arthritis Care and Research."Due to its perceived safety, paracetamol has long been recommended as the first line drug treatment for osteoarthritis by many treatment guidelines, especially in older people who are at higher risk of drugrelated complications," said lead researcher Weiya Zhang from the University of Nottingham's School of



Medicine."Whilst further research is now needed to confirm our findings, given its minimal pain-relief effect, the use of paracetamol as a first line pain killer for long-term conditions such as osteoarthritis in older people needs to be carefully considered," Zhang said.

For their analysis, the researchers looked at health records of 1,80,483 (1.80 lakh) people repeatedly prescribed

prescriptions within six months). Their health outcomes were compared to those of 4,02,478 (4.02 lakh) people of the same age who were never prescribed paracetamol repeatedly.Data from the Clinical Practice Research Datalink-Gold was analysed for the study. The participants were aged 65 and over (average age 75) and had been registered with a UK general practitioner for at least a year between 1998 and 2018.

A 2016 study in The Lancet journal pooled and analysed data from 76 randomised trials, involving 58,451 patients, published between 1980 and 2015. Researchers from the University of Bern found that paracetamol did not provide the minimum levels of effective pain relief or improve physical function in patients with knee and hip osteoarthritis.

BBC files complaint with Apple over Al-generated fake news attributed to it

LONDON. The BBC on Friday said it had filed a complaint with US tech giant Apple over AIgenerated fake news that was shared on iPhones and attributed to the British public broadcaster.

The Apple Intelligence, which was launched in Britain this week, produces grouped notifications from several information sites that have been generated by artificial intelligence. One of those suggested that the BBC News website had published an article claiming that Luigi Mangione, who was arrested in the US over the murder of a healthcare executive in New York, had committed suicide."BBC News is the most trusted news media in the world. It is essential to us that our audiences can trust any information or journalism published in our name and that includes notifications," a BBC spokesperson said in a

US: OpenAl Whistleblower Suchir Balaji Found Dead In San Francisco Apartment

world. Suchir Balaji, a 26-year-old former OpenAI researcher and whistleblower, was found dead in his San Francisco apartment on Buchanan Street, according to multiple reports. The San Francisco Police Department and the Office of the Chief Medical Examiner (OCME) confirmed the death, with the medical examiner ruling it a suicide.

Balaji, who worked at OpenAI for nearly four years, was discovered deceased in his apartment on November 26. A spokesperson for the OCME stated, "The manner of death has been determined to be suicide. The next-of-kin have been notified, and there are no further comments at this time." Police officials added that they found no evidence of foul play.In October, Balaji publicly raised concerns about OpenAI's practices, accusing the company of breaking copyright laws with its generative AI products like ChatGPT. He expressed these concerns in interviews and posts on social media, where he shared his apprehensions about the ethical implications of the technology.

In a widely circulated post on X (formerly Twitter), Balaji wrote, "I was at OpenAI for nearly 4 years and worked on ChatGPT for the last 1.5 of them. I initially didn't know much about copyright, fair use, etc. but became curious after seeing all the lawsuits against GenAI companies."He further explained his concerns: "Fair use seems like a pretty implausible defence for a lot of generative AI products, for the basic reason that they can create substitutes that compete with the data they're trained on."Balaji grew up in Cupertino, California, and studied computer science at the University of California, Berkeley. He joined OpenAI after graduation and played a significant role in developing ChatGPT, working on the project for 1.5 years before resigning. He told The New York Times that he left OpenAI because he believed the technology had the potential to cause more harm than good to society.

Florida man who shot Walmart drone ordered to pay \$5,000, sparks viral support from netizens: 'New Jersey could use this guy right now'

world. A Florida man, 72-year-old Dennis Winn, has been ordered to pay \$5,000 in restitution to Walmart after he shot down one of the company's drones in June, claiming it was surveilling him. The incident has sparked a viral reaction online, with some netizens suggesting that New Jersey could benefit from having a man like Winn on their side amid growing concerns over mysterious drone sightings in the state. Winn, from Lake County, Florida, was charged with multiple offenses after he fired at the drone, which was flying over his home in the Overlook at Lake Louisa neighborhood on June 26. The drone was part of a mock delivery operation conducted by Walmart's drone delivery service. According to reports, after the drone was shot, the workers operating it fled the scene and returned the drone to Walmart. When Lake County deputies arrived to interview Winn, he explained that he believed the drone was surveilling him, citing past experiences with similar incidents. He then retrieved a 9mm pistol from his gun safe and fired at the drone. The authorities noted that children were playing nearby at the time of the shooting. Winn's actions led to charges of discharging a firearm in public, criminal mischief, and shooting or throwing deadly missiles at a dwelling, vessel, or vehicle. During his arrest, Winn seemed surprised when informed that the drone belonged to Walmart, responding with "Really?" The officer also informed him that the drone likely cost tens of thousands of dollars, though Winn had not reported previous drone concerns to the police, only to his homeowners' association (HOA).

In a court agreement on November 27, Winn accepted a restitution order, agreeing to pay \$5,000 for the damage caused to the drone. His attorney clarified that this payment was an acknowledgment of wrongdoing but not a guilty plea. Winn will avoid jail time if he remains charge-free for the next six months. While the legal case has been settled, the incident has ignited a flood of online reactions. On social media, many have rallied behind Winn, with some suggesting that his actions might have been more justified than initially thought.

One user tweeted, "New Jersey could use this guy right now," referencing the ongoing saga of mysterious drone sightings in New Jersey. The Garden State has seen an increase in drone reports, particularly around Thanksgiving, sparking conspiracy theories and intense media coverage. Gov. Phil Murphy and other state officials have called for answers from federal authorities, but so far, the mystery remains unsolved.

'Shoot them down': US President-elect Trump on mystery drone sightings

Donald Trump has called for the "shooting down" of the mystery drones that have been appearing in various parts of the country.

These drones were first spotted in New Jersey a few days ago and are now being seen in other areas as well. The federal government and the White House have so far maintained that these do not pose any national security threat and nor there is any evidence of a foreign hand in it. The appearance of the mystery drones, however, continues to be the subject of investigation." Mystery Drone sightings all over the Country. Can this really be happening without our government's knowledge? I don't think so," Trump said on Friday in a post on Truth Social, a social media platform owned by him."Let the public know, and now. Otherwise, shoot them down!!! DJT," he said with his personal signature at the end of the post.

The White House on Thursday said there was no evidence yet that the reported drone sightings pose a national security or a public safety threat or that they have a foreign nexus. The Department of Homeland Security and the FBI are investigating these sightings, working closely with state and local law enforcement to provide resources, using numerous detection methods to better understand their origin, White House National Security Communications Advisor John Kirby told reporters.

He added that "...upon review of available imagery, it appears that many of the reported sightings are actually manned aircraft that are being operated lawfully." "The United States Coast Guard is providing support to the State of New Jersey and has confirmed that there is no evidence of any foreignbased involvement from coastal vesselsnd, importantly, there are no reported or confirmed drone sightings in any restricted airspace," Kirby said.In a joint statement, the Department of Homeland Security and FBI also said that there was no evidence yet that the reported drone sightings pose a national security or a public safety threat or have a foreign nexus.

"We are supporting local law enforcement in New Jersey with numerous detection methods but have not corroborated any of the reported visual sightings with

electronic detection. To the contrary, upon review of available imagery, it appears that many of the reported sightings are actually manned aircraft, operating lawfully. There are no reported or confirmed drone sightings in any restricted air space," the statement read.In a letter to the DHS, FBI and the Federal Aviation Administration, Senator Kirsten Gillibrand, Senate Majority Leader Chuck Schumer and Senators Cory Booker and Andy Kim said that "since late November, communities in the New York City area and northern New Jersey have reported several incidents of at night, alarming both residents and local law enforcement".

They highlighted that "the potential safety and security risks posed by these drones in civilian areas is especially pertinent considering recent drone incursions at sensitive military sites in and outside of military sites in and outside of the continental United States over the past year".Congressman Josh Gottheimer from New Jersey on

Friday urged federal law enforcement agencies, led by the FBI and DHS, to allow state and local law enforcement to deploy assets that can safely take down drones that "should not be in our skies". He wrote a letter to the FBI, DHS and the FAA, asking them to immediately brief the public.

They also need to work closely with state and local law enforcement to give them the equipment they need to monitor drone activity. There is clearly too much of it here in Jersey and other parts of the country,

Brazil President Lula says he's 'strong' after surgery, shares video of him walking

SAO PAULO. Brazilian President Luiz Inacio Lula da Silva declared he was "strong and steady" Friday, in a video of him walking around unassisted after emergency surgery earlier this week.

Please rest assured. I am strong and steady! I am walking the halls... talking a lot, eating well and, soon, ready to return home and continue working and taking care of every Brazilian family," he wrote on X and other social media.

The video included in the post showed him walking a hospital corridor with his neurosurgeon, Marcos Stavale. They were the first public images of Lula, 79, since Monday, when doctors detected intracranial bleeding related to a bad fall he had in October and rushed him to the Hospital Sirio-Libanes in Sao Paulo.He underwent the surgery on Tuesday to relieve the pressure on his brain, with doctors conducting a trepanation -drilling through his skull.Lula's medical team says he suffered no brain damage from the emergency and was doing well post-surgery.

In the posted video, Lula is seen walking and stopping to talk with Stavale and with his wife, First Lady Rosangela da Silva. The president, wearing blue casual wear, sports a bandage on top of his head where the surgery occurred.

In the accompanying message, Lula Despite the doctors restricting visits to thanked the public for the prayers and words from well-wishers, passed on by his wife, and said he looked forward to



"many meetings in Brazil and around the world" in the coming year.

Thank you for your affection and for all the dedication of the medical team. The love I receive keeps me always ready to move on!" he wrote. On Friday he was taken out of intensive care, and he was expected to be allowed to leave hospital early next week. The hospital said in a public medical update that Lula remains "under semi-intensive care," which a presidency official explained meant monitoring at regular

as in intensive care. Remote working

family members and saying the president needed to rest, Lula has been sporadically carrying out some of his duties while convalescing.

He has been speaking with officials and signing documents electronically, ministers said.Lula's vice president, Geraldo Alckmin, has been taking on some of the president's workload but the presidency has not officially tapped him to assume full presidential duties.

The latest medical emergency adds to a list of health problems Lula has suffered over the years, including treatment in 2011 for throat cancer, and a hip replacement operation last year.

On Thursday, doctors performed a follow-up procedure to the surgery by inserting a catheter to block blood flow going through an artery to the area of his head that was operated on, to minimize the risk of a hemorrhage reoccurring. They also removed a medical drain that had been put in on Tuesday to remove blood from the

Ex-US House Speaker Nancy Pelosi hospitalised after sustaining injury from fall on trip to Luxembourg

WASHINGTON. Former US House Speaker Nancy Pelosi has been hospitalized after she "sustained an injury" during an official engagement in Luxembourg, according to a spokesman.

Pelosi, 84, was in Europe with a bipartisan congressional delegation to mark the 80th anniversary of the Battle of the Bulge in World War II. Her spokesman, Ian Krager, said in a statement that she is "currently receiving excellent treatment from doctors and medical professionals" and is unable to attend the remainder of events on her trip. He did not describe the nature of her injury or give any additional details, but a person familiar with the incident said that Pelosi tripped and fell while at an event with the other members of Congress. The person requested



British royal family staff arrested after Christmas party 'brawl' at bar



Buckingham Palace has launched an investigation after a staff member was arrested following a Christmas gathering that escalated into a "punch-up" and "bar brawl" at a London pub, a palace spokesperson said on Friday. London police said that a 24-year-old woman was arrested at the venue near the royal residence on

Thursday, on the suspicion of common assault, property damage, and disorderly conduct under the influence of alcohol."Officers were called to a bar in Victoria Street following reports that a customer had smashed glasses and attempted to assault a member of staff," a police official said. The incident took place during a social event involving

around 50 palace staff, according to attended an early evening reception at Buckingham Palace before moving to a nearby pub to continue their celebrations. However, the gathering took a chaotic turn, leading to police intervention on Tuesday, December 10, after the staff member allegedly attempted to assault a bar employee, police added. palace spokesperson clarified that the gathering was an "informal social gathering, not an official palace Christmas party.""We are aware of an incident outside the workplace involving a number of household staff who had previously attended an early evening reception at the palace," the spokesperson said in a statement."While this was an informal social gathering, not an official Palace Christmas party, the facts will be fully investigated, with a robust disciplinary process followed in relation to individual staff and appropriate action taken," the spokesperson added.

anonymity to discuss the fall because they were not authorized to speak about it publicly. Krager said that Pelosi "looks forward to returning home to the U.S. soon."The former leader's fall comes two years after her husband Paul was attacked by a man with a hammer at their San Francisco home. The man, who was sentenced in October to 30 years in federal prison, broke into their home looking for Pelosi.

Pelosi, who was first elected in 1987 and served as speaker twice, stepped down from her leadership post two years ago but remained in Congress and was reelected to represent her San Francisco district in November. She has remained active in the two years since she left the top job, working with Democrats in private and in public and attending official events. Last summer, she was instrumental in her party's behind the scenes push to urge President Joe Biden to leave the presidential ticket.

She attended the Kennedy Center Honors in Washington last weekend and was on the Senate floor Monday to attend the swearing in of her former Democratic House colleagues, Adam Schiff of California and Andy Kim of New Jersey. Earlier this week, Senate Republican Leader Mitch McConnell, 82, tripped and fell in the Senate, spraining his wrist and cutting his face. McConnell, who is stepping down from his leadership post at the end of the year, missed Senate votes on Thursday after experiencing some stiffness in his leg from the fall, his office said.

Georgia political crisis deepens as far-right leader Kavelashvili set to become president

More unrest is expected on Saturday, when Georgian Dream is set to appoint far-right former footballer Mikheil Kavelashvili as president in a disputed election process.

TBILISI. Georgia's political crisis deepened on Friday, as new pro-Europe protests gripped Tbilisi ahead of the controversial nomination of a far-right government loyalist as president. The Black Sea nation has been in turmoil since the governing Georgian Dream party claimed victory in contested October parliamentary elections. Its decision last month to delay EU accession talks ignited a fresh wave of mass rallies. More unrest is expected on Saturday, when Georgian Dream is set to

appoint far-right former footballer Mikheil Kavelashvili as president in a disputed election process. On Friday, demonstrations rocked the capital, Tbilisi, for the 16th consecutive day, as thousands of pro-EU protesters filled the streets, marching in a dozen different locations before gathering in the evening outside parliament. Speaking to AFP at a rally, Dariko Gogol, 53, said Georgian Dream "rigged the election, and they are just dragging us towards Russia"."We need new elections," she said, adding that current President Salome Zurabishvili "has to stay (as president) and somehow guide us in this really difficult situation.'

'Unprecedented constitutional crisis'

On Saturday, an electoral college controlled by Georgian Dream is expected to elect Kavelashvili as president in an indirect vote in parliament boycotted by the opposition. Zurabishvili has refused to step down and is demanding new parliamentary elections, paving the way for a constitutional



showdown."What will happen in parliament tomorrow is a parody -- it will be an event entirely devoid of legitimacy, unconstitutional and illegitimate," Zurabishvili told a press conference on Friday.Opposition groups accuse Georgian Dream of rigging the parliamentary vote, democratic backsliding and moving Tbilisi closer to Russia -- all at the expensive of the Caucasus nation's constitutionally mandated bid to join the European Union. Kavelashvili, 53 -- a sole candidate for the largely ceremonial post -- is known for his

vehement anti-West diatribes and opposition to LGBTQ rights.

Georgian Dream scrapped direct presidential elections in 2017. With Zurabishvili refusing to leave office, opposition lawmakers boycotting parliament, protests showing no signs of abating, and constitutional law experts saying the vote will be illegitimate, Kavelashvili will see his presidency undermined from the onset.

AOne author of Georgia's constitution, Vakhtang Khmaladze, has argued that all decisions by the new parliament are void, as it ratified the mandates of newly elected MPs in violation of the legal requirement to await the outcome of a court case filed by Zurabishvili contesting the legitimacy of the elections."Georgia is facing an unprecedented constitutional crisis," Khmaladze told AFP.It remains unclear how the government will react to Zurabishvili's refusal to step down after her successor is inaugurated on December 29.

onto stumps in bizarre dismissal vs England

dismissal on Day 1 of the third Test against

England on December 14. In an unusual turn

of events, Williamson inadvertently kicked

the ball onto his stumps, leaving him

dismissed by England pacer Matthew Potts.

The incident was as surprising as it was

unfortunate, even for the usually composed

Williamson.New Zealand began the day

strongly with a 105-run opening partnership between Will Young and skipper Tom

Latham. Williamson, coming in at No. 3,

carried forward the momentum with a

determined knock of 44 off 87 balls.

However, his innings came to a dramatic end

when a delivery from Potts deflected off his

pads and bounced off towards the stumps. In

a reflexive attempt to block the ball with his

leg, Williamson accidentally nudged it into

the stumps, leaving him stunned and visibly frustrated. Williamson's reaction—head

hung low and a dismayed

expression—reflected the oddity and

disappointment of the moment. His

dismissal marked a turning point in New

Zealand's innings, as England capitalised on

the breakthrough to take wickets in quick

succession. Despite the openers' promising

start, New Zealand collapsed from 105/1 to

232/7 by the middle of the third session.

Williamson's knock remained the last

significant resistance from the BlackCaps'

top order, as the middle and lower order struggled against England's disciplined bowling attack. Heading into the final Test of

the series, New Zealand aimed to avoid a

home whitewash after losing the first two

matches. However, the hosts' inability to

build on their strong opening partnership left

them in a precarious position. With only

Williamson showing signs of resilience

before his unlucky dismissal, New Zealand

now face an uphill battle to post a

competitive first-innings total at Hamilton.

The unusual nature of Williamson's dismissal

has added another chapter to the annals of

cricketing quirks, while New Zealand will need a substantial recovery effort to remain competitive in the match.

Rohit Sharma's decision to

Border—Gavaskar Trophy: 'If not now, when' moment for India's youngsters at Gabba Kane Williamson kicks ball Kane Williamson, New Zealand's veteran batter, endured a bizarre and frustrating

Lt's the trifecta of Jaiswal, Gill and Pant who will determine whether India dominate or not.

BRISBANE. Morne Morkel was at the start of his short run-up, ready to jog in at the outdoor nets of The Gabba on Friday afternoon. He had been at it for a while on a breezy afternoon in Brisbane. Facing him at the crease was Yashasvi Jaiswal, who seemingly looked down at his stance just when Morkel was starting. The former South African pacer and India's current bowling coach stopped midway and gestured with his hand, checking what happened. Morkel tried to start again, and Jaiswal looked down just then. And again. Thrice in a row.

At this point, Morkel wasn't amused one bit. This time, he waited. He waited till Jaiswal looked up after looking down and then ran in. A sharp bouncer came the youngster's way and he ducked. Morkel wasn't done. He delivered another bumper which Jaiswal awkwardly tried to pull before playing down

If Morkel had the upper hand for the span of those three balls, Jaiswal, along with Shubman Gill and Rishabh Pant (who were

the only sure starters turned up for optional training on Thursday), took him on with ease through the rest of his stint. Watching from the outside, it seemed like an instantaneous contest while prepping for a particular tactic, but evidently, there was more to it. "He keeps teasing us that I used to bowl like this in my youth," Gill explained of Morkel in the pre-match press conference. "So when we play, we say that the wicket is good to bowl, show us how you used to bowl. We have fun in such contests," added the youngster.

That, in essence, sums up the kind of attitude this generation of batters have brought to the table. India's famous win at the Gabba last time around was a result of it. Whether it is the freakish genius of Pant or audacious stroke-making of Gill, or the serenity that Washington Sundar showed, it all played a part in India making history. As they return to The Gabba with the series levelled 1-1, it is these three youngsters India will be looking at with hope. Yes, KL Rahul looked good in Perth, Virat Kohli scored a century, and Rohit Sharma will continue to search for runs. However, it's the trifecta of Jaiswal, Gill and Pant who will determine whether India dominate or not. It is these three who haven't shied away from taking Australia on and has the ability to change the course of the game in a matter of few hours. They are not intimidated by what Pat Cummins has to say

or teasing Mitchell Starc that he is not fast enough. They go into bat looking to take on the ball with no care in the world for whose hand it comes from. They do not have the scars of past series defeats and what happened before their time is irrelevant to them. "I think the last four series we played against Australia, we have won. We have won the last two times, and we have won in India too. If you are a batter, then you should watch the ball, that thing is more in this generation, that it doesn't matter who is bowling," said Gill.

When they bat together, even if it is at the nets, they talk about not going too far with the attack while ensuring they don't go into a shell. They know what went wrong for them so far as well. Take the case of Gill. He

the first innings in Adelaide while struggling to sight the full-length inswinger from Starc in the second. However, he knows that the red ball is going to be different. He knows that once it's 30 overs old, there is a 50-over period where the batters can cash in.

That is what the Indian batting line-up would be looking at when they get on the field in the first innings. Not just the three youngsters, but it has been the discussion amongst everyone. "As a batting group we are looking to post a big total first up, this has been one of the

key discussions and depending on every batter, I think is going to have its own game plan. Collectively we are going to try to get a big first-inning score, that's what the discussion was about after Adelaide," said

However, it is not going to be easy. The pitch, while described as a 'good wicket', has a tinge of green even after the grass is shaved off. And then there is the forecast for rain on Saturday. While India would want to bat first and put in a big total, it will be interesting to see how the morning of day one looks. One thing is clear though. Irrespective of when they get to bat, a lot will ride on how the youngsters rise up to the occasion. As former head coach Rahul Dravid famously said to Gill in Ranchi earlier this year, if not them,

World Champion D Gukesh reacts to Magnus Carlsen's

criticism of Ding Liren match
World Champion D Gukesh has responded to
the criticism from Magnus Carlsen about his final against Ding Liren in Singapore. Gukesh secured a thrilling win against the former champion in a fiercely contested 14 games in Singapore as both men went toe-to-toe till the very end.A blunder from Liren in the final game saw Gukesh capitalise and secure the win and become the youngest chess World Champion in history. However, the quality of the final did come under scrutiny. Former world champions Carlsen and Vladimir Kramnik were vocal in expressing their displeasure at the Gukesh vs Liren match. Kramnik called it "the end of chess as we know it," while Carlsen would comment that it felt like a second or third round clash in an open tournament. Gukesh was asked if he was hurt by the comments from Carlsen and said he was unfazed by it. The Indian grandmaster said that while the quality may not have been high in some of the games, World Championship matches are decided not purely by chess alone and is also dependent on who has the better character and willpower. Not really."



"I get that maybe in some of the games, the quality was not high but I think the world championship matches are decided not purely by chess but by who has the better character and who has the better willpower. And I think those qualities, I did show quite well," said Gukesh.The Indian grandmaster admitted that he could have played at a better level but managed to strike at the critical moments and get the win." And the pure chess part, it was not at a very high level as I would have liked it to be because it's a new experience for me. So the workload was different, the pressure was different."It's understandable that I was a bit off but I managed to strike at the critical moments, which I am happy about," said Gukesh.Magnus Carlsen has ruled out chances of facing India's D Gukesh or playing against other opponents in World

Shardul Thakur reveals how Rohit's 'sign language' helped him during Gabba knock

India all-rounder Shardul Thakur recently revealed how Rohit Sharma's sign language helped him massively during his famous innings in the Gabba Test in 2021.

New Delhi. India all-rounder Shardul Thakur recently revealed how Rohit Sharma's sign language helped him during his famous knock at the Gabba, Brisbane in 2021. Notably, Playing just his second Test, Thakur stitched a crucial 123-run partnership for the seventh wicket with Washington Sundar which helped India get closer to Australia's first innings total of 369. Thakur walked in to bat with India reeling on 186/6 and played a magnificent knock of 67 (115) smashing nine fours and two sixes. Recently, the all-rounder opened up on his famous knock and revealed how Sharma was letting him know which players were getting tired through sign language from the dugout.

"Rohit was talking to me in sign language from



the dugout. He would indicate when a bowler was tiring or coming to the end of his spell. Like, I think that happened when Hazlewood was coming to the end of a spell. Rohit asked me to wait and not push to play shots," Shardul told The Cricket Monthly.

Further speaking ahead, Thakur shared the incident from the second innings when he failed to finish the game and got a scolding from Rohit."I was riding high on confidence from the first-innings performance. Unfortunately, attempting to hit over the leg

side, I top-edged. I had picked two runs off a similar sort of delivery, which I had flicked off the hips. The pressure was once again on. When I headed to the dugout, Rohit scolded me for not finishing it, but I defended myself saying I was not playing a rash shot," he

Shardul Thakur went unsold in the IPL 2025 auctionThakur also picked up seven wickets in the match at an average of 22.14 including figures of 4/61 in the second innings. Courtesy of his performance and vital contributions from other players, India managed to end Australia's 32-year-long unbeaten streak at the Gabba and won their second consecutive Test series in Australia.

Meanwhile, Thakur recently went unsold in

the IPL 2025 auction as none of the ten franchises showed any interest in him. The all rounder had kept his base price at Rs 2 crore and found no bidders for him after being released by Chennai Super Kings (CSK) ahead of the auction. He's currently playing in the Syed Mushtaq Ali Trophy for Mumbai and has picked 13 wickets from eight matches at an average of 25.15. Earlier, he picked 14 wickets from five matches (10 innings) in the Ranji Trophy 2024-25 and scored 127 runs from five innings.

bowl first left me surprised: Matthew Hayden New Delhi. Former Australia cricketer

Matthew Hayden revealed that Rohit Sharma's decision to bowl first at the toss during the third Test against Australia in Brisbane left him surprised. Notably, the India skipper won the toss and elected to bowl first in the third match of the series. Explaining the reasoning behind this decision, the India skipper said that he wanted his bowlers to make full use of the overcast conditions as the wicket had a tinge of green on the surface. However, much to everyone's surprise, the wicket didn't



behave as the India captain anticipated, as his bowlers didn't get any assistance from it in the first session nor was the ball moving in the air. The behaviour of the pitch made everyone question Rohit's decision to bowl first and Matthe Hayden also weighed in his opinion on the matter. The former opener said that he was left surprised with Rohit's call as Brisbane had witnessed heavy rains in the lead-up to the Test match.

"I was really surprised that actually, Rohit won the toss and decided to bowl, because I felt like it was over-prepared. I thought it was because of the how much weather. There were almost 12 inches of rain in the past two weeks. And so we've got this showery pattern and it's been that way for a month and a bit. So the groundsman would have been thinking, we've got to get our preparation in early, and that's why I thought that it was gonna be as good a batting conditions as you're gonna see now in these first two days, with the view that it will break up and, and turn," said Hayden on Star Sports.Further speaking ahead, Hayden mentioned how the cracks will open up on the pitch after the first few days which will bring spinners into play.

Hunger for big runs defines Gavaskar esque Yashasvi Jaiswal: Sanjay Bangar

New Delhi. Former India cricketer Sanjay Bangar showered praise on young opener Yashasvi Jaiswal, likening his hunger for big runs to that of the legendary Sunil Gavaskar. Bangar highlighted the 22-yearold's work ethic and consistency as the driving factors behind his rapid rise in Test cricket.Jaiswal, one of the youngest members of the Indian Test squad, has become an indispensable player for the team. His contributions in 2024 have been phenomenal, amassing 1304 runs in just 14 matches, including two double centuries against England. Speaking on Star Sports, Bangar emphasised how Jaiswal has built a strong foundation early in his career has set him apart, making him a promising asset for the future. Two things. One is that he is

extremely technically sound, and that means that he's got a great foundation for him to work his way up, and then the temperament part very early in his career. He's gone through lots of a lot of ups and downs in his personal life as well," Banger said."Cricket means a lot to him. He's worked hard to be where he is and his hunger for big scores that actually defines him as a batsman. Most of his hundreds so far or all of his hundreds in In the ongoing Border-Gavaskar Trophy, Test cricket have been scores of about 150 and that tells you the kind of hunger that, as a batter that you wanted to see as a batter in young players. Now, who was an earlier batter of similar calibre? and we had to go a long way back in someone like a Sunil Gavaskar," he added.Since making his debut in the West Indies last year, Jaiswal

has played 16 Tests, scoring 1,592 runs at an impressive average of 54.89. His top score of 214 not out and his rapid rise to second in the ICC Test batting rankings further underscore his potential. Notably, Jaiswal also holds the distinction of being the youngest Indian to score a T20I century, a feat he achieved during the Asian Games in Hangzhou last year.

Jaiswal has already displayed glimpses of his talent. Despite a disappointing start in Perth, where he was dismissed for a duck by Mitchell Starc in the first innings, the young southpaw bounced back brilliantly. His second-innings knock of 161 off 297 balls, featuring 15 fours and three sixes, was a masterclass in patience and aggression.

Chess Championship title clashes.

Lights out during Adelaide Test: Nathan Lyon reveals reason behind delay

Nathan Lyon has revealed the possible reason behind the lights out moment during the Adelaide Test between Australia and India in the Border-Gavaskar Trophy. The incident occured on Day 1 of the match while Australia were batting late in the day.

New Delhi. Nathan Lyon has revealed the hilarious reason behind the lights going out during the Adelaide Test between Australia and India in the Border-Gavaskar Trophy. In an unusual incident at the Adelaide Oval, the floodlight towers malfunctioned twice during the 18th over of Australia's innings on

Day 1 of the pink-ball Test. The disruptions occurred in the evening session, causing brief delays. Indian fast bowler Harshit Rana, who was midover when the lights failed for the second time, visibly showed his frustration. Meanwhile, the on-air commentators found humour in the situation, which seemed to annoy the Indian players, eager to capitalise on the crucial twilight period to take wickets.

"It looks like someone has turned off the switch," one of the commentators remarked as the

floodlights flickered back on within a minute of the second outage. Well, it seems like that was the case as Lyon revealed his side of the story. The Australia spinner said that he was

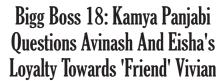


supposed to be the night watchman for his side in the match and had gone out to the nets with the assistant coach to get a couple of hits in. Lyon revealed that he told the security if he could switch on the lights in the nets and

the next thing he saw was the ground going dark. 'Yes, I can believe that. I was

with our assistant coach sitting out there in the dark. I asked the security guy if he could switch on the lights in the middle it would be great. And in the next minute, it (the whole ground) went off. And I said to Boroughs (assistance coach) 'he hit the wrong switch'. He said 'nah' and then we sat in the dark for 15 minutes in nets waiting to take a hit," said Lyon.

Lyon wasn't needed as the night watchman during the match in the end, as Australia won in Adelaide by 10 wickets to level the series. The spinner still continues to be in the side for the Brisbane Test as India won the toss and opted to field first.





Tith non-stop drama, unexpected twists and turns and intense brawls in the house, Bigg Boss 18 is undoubtedly providing ample entertainment for viewers in each episode. Tensions are running high as contestants clash over tasks and the recent task was no different. Recently, contestants were asked to grab a photo, run to the garden area and hand it over to Avinash Mishra, the current Time God. This task was performed to save one of the contestants from the nominations this week, but it eventually made the entire house chaotic. While Chum Darang saved Karan Veer Mehra from this week's nominations, Eisha Singh had an emotional breakdown as she handed over Vivian's frame last and failed to save the actor. As the drama unfolds, former Bigg Boss contestant and ardent follower of the reality show Kamya Panjabi recently posted a tweet on X criticising Avinash Mishra and Eisha Singh for their unfavourable decisions

Taking to X (formerly Twitter), the actress wrote, "Tum itna jo muskura rahe ho kya gumm hai jisko chhupa rahe ho... Ek dost nominate karta hai aur dusra make sure karta hai you stay nominated...!!! (You are smiling so much; what is the secret that you are hiding... One friend nominates and the other makes sure that he stays nominated!!!)."In another tweet, Kamya questioned Avinash about the reason for the change towards Karan Veer Mehra. Her tweet read, "Yeh jo ???? ?????? hua hai #AvinashMishra ka towards #KaranveerMehra iski wajah kya hai jo bhi hai as I said before also Avinash jab apne liye aur solo khelega stand out hoga... (What is the reason behind #AvinashMishra's change towards #KaranveerMehra? Whatever it be, as I said before also, when Avinash plays solo for himself, he will stand out.)"

This week, watch the Weekend Ka Vaar episode on ColorsTV to see who gets evicted from the remaining nominated contestants – Chaahat Pandey, Tajinder Bagga, Digvijay Rathee, Edin Rose and Vivian Dsena. Speaking about Kamya Punjabi's work, the actress has been part of several hit shows like Shakti: Astitva Ke Ehsaas Ki, Sanjog and Doli Armaano Ki. She also was part of the controversial reality show Bigg Boss 7.

Alia Bhatt-Ranbir Kapoor Arrive For Raj Kapoor's Centenary Celebration; Neetu Kapoor **Compliments Bahu**



ollywood's favourite couple Ranbir Kapoor and Alia Bhatt made a dazzling appearance as they arrived for the centenary celebrations of the late filmmakercentenary celebrations of the late filmmaker-actor Raj Kapoor on Friday. Neetu Kapoor and her daughter Riddhima Kapoor Sahni also joined them. The family shared an endearing moment as they posed together for paparazzi pictures. Neetu was seen complimenting Alia's look for the night, while Riddhima chatted with her brother Ranbir before they all came together to pose for pictures.Ranbir Kapoor and Alia Bhatt were seen walking hand-in-hand as they arrived at the venue for Raj Kapoor's 100th birth anniversary celebrations. Ranbir rocked a moustache, and was seen wearing a black velvet bandhgala with white pajamas, Alia looked stunning in a flowy white saree with dainty floral print over it. She simply accessorized with a golden neckpiece. Meanwhile, Neetu Kapoor and Riddhima also joined them for the pictures. Alia greeted her mother-in-law lovingly and hugged her. Neetu, was then seen complimenting her daughter-in-law's look for the night. The family then posed for some lovely pictures for the paparazzi. Check out the

Neetu Kapoor was seen in a light grey kurta set, while Riddhima donned an ethnic white and brown printed suit. Not just the Kapoor clan, the stalwarts of the Indian film industry will be seen coming together for the grand event of Raj Kapoor's centenary celebration, and honouring the late filmmaker. Apart from Randhir Kapoor, Karisma Kapoor, Kareena Kapoor Khan, Ranbir Kapoor, Alia Bhatt and others, the biggest stars of Hindi cinema including Rekha, Jeetendra, Sanjay Leela Bhansali, Rajkumar Hirani, and Karan Johar, Aamir Khan, Hrithik Roshan, Anil Kapoor, Vicky Kaushal, Kartik Aaryan, Sunny Deol, and Bobby Deol are expected to attend the grand event tonight. The Raj Kapoor 100 film festival will commemorate the legendary actor-director's centenary across ten cities, 40 cinemas, and 135 screens.

Meanwhile, the Kapoor family recently met Prime Minister Narendra Modi to invite him to the 100th birth anniversary celebrations of legendary actor-filmmaker Raj Kapoor. Speaking about the meeting, Ranbir Kapoor admitted to being nervous. In a video shared by the Prime Minister's office, Ranbir called it a special day for his family and expressed gratitude to PM Modi for his time and respect.





Kubbra Sait Praises 'Dearest' Ananya Panday For Being **Honest About What Hurts Her The Most**

nanya Panday is one such actress in B-town who never shies away from revealing her honest feelings. The actress, who has a history of being in a relationship with eminent names in the industry, once revealed that "not feeling loved" hurts her the most. As the video from her interview went viral, Kubbra Sait came in support of her and penned a

horse rider who escapes from the brutal English army. However, the plot takes a turn as his horse goes missing. To find the missing horse, he sets out on a mission with the help of a young boy, played by Amaan.Mark your calendars! The film is

scheduled for a grand release in January 2025.

The video making rounds on the internet features one of the segments from Ananya Panday's interview with YouTuber Ranveer Allahbadia, in which the host asked her, "What hurts you in your heart?" The Kho Gaye Hum Kahan actress replied, "What hurts me in my heart – not feeling loved. Because I feel like...that could be by anyone." She then went on to explain that the love she gives doesn't come back to her. In a grieffilled tone, she expressed, "Like I just feel like I have a lot of love to give, and I try to be as pure, again I'm using the word honest as I said I can, and I really wear my heart on my sleeve."

Ananya also mentioned that she trusts people very easily, which results in oversharing from her side. She added, "It really hurts me sometimes when someone says you shouldn't have overshared, or if you said that, you know they can go and tell someone else. I say like I never thought of it in that way. I do like to see the best in people, and I..." Soon, Ranveer interrupted her, saying, "You are just 23, man," and before he could finish the entire sentence, the CTRL fame stated, "I know, and I'm still untouched by the world, but yeah, I think not being loved back is that could really hurt."

Kubbra Sait reshared the video on her Instagram stories. Alongside it, the Sacred Games actor gave Ananya two cents of her advice and wrote, "Dearest @ananyapanday it don't matter if you are 20 whatever old or blah just continue to be you... coz the reward in the end is you knowing you did best and were truthful and honest to your own self. MORE POWER TO YOUR BIG HEART and GO GET BIGGER SLEEVES! Kubbra even signed the note with experience of a "40 Year BIG HEART." Ananya seemingly got a bit emotional and reposted Kubbra's meaningful words in her Instagram stories. The Student of the Year 2 fame showed love towards Kubbra and penned, "Kubraaaaa! Sooo sweet BIG love to you," followed by a heart emoji. Coming to Ananya's rumoured relationship, she was alleged to be dating Karan Jaising, Kartik Aaryan, Ishaan Khatter, and Vijay Deverakonda as a friendly date, followed by Aditya Roy Kapur which went from almost August 2022 to March 2024.